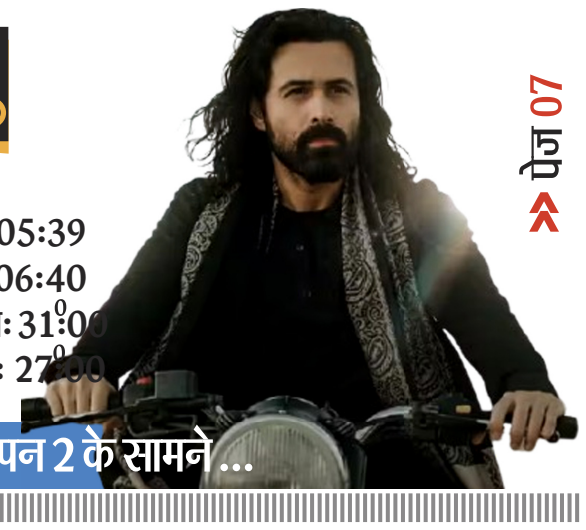
www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 138 || लखनऊ
मंगलवार
18 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:39
सूर्यास्तः 06:40
अधिकतमः 31°C
न्यूनतमः 27°C



पेज 07

विशेष समाचार | अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से ... >> पेज 04 | मुरादाबाद में छठा तेंदुआ ... >> पेज 06 | तीसरे दिन आवारापन 2 के सामने ...

65 सदस्यीय टीम में 51 नए चेहरे, यूपी से 8 नेताओं को जगह, वसुंधरा सबसे वरिष्ठ, हेमांग सबसे युवा

नितिन नवीन की टीम में नए चेहरों का दबदबा



नई टीम में 12 महिला सदस्य

65 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम में 12 महिला नेताओं को शामिल किया गया है। यानी कुल टीम में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। इन महिला नेताओं को संगठन में अलग-अलग महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। महिला नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव और सचिव जैसे पदों के अलावा विभिन्न मोर्चों और सोशल मीडिया से जुड़े दायित्व भी दिए गए हैं। इससे पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में महिला नेतृत्व की भागीदारी को भी जगह मिली है।





भाजपा की नई टीम में 2027 में विधानसभा चुनाव वाले 7 राज्यों में से 4 राज्यों को प्रतिनिधित्व मिला है। उत्तर प्रदेश से 8, उत्तराखंड से 4, गुजरात से 4 और पंजाब से 2, यानी कुल 18 चेहरे नई टीम में शामिल हैं। वहीं गोवा, मणिपुर और हिमाचल प्रदेश से कोई नाम नहीं है।

भाजपा की नई टीम में 18.5% महिलाएं



सभी मोर्चों के अध्यक्ष बदले

भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में संगठन के विभिन्न मोर्चों को लेकर भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पिछली टीम में जिम्मेदारी संभाल रहे मोर्चों के अध्यक्षों को नई टीम में जगह नहीं दी गई है। इससे पार्टी के युवा, महिला, किसान, अनुसूचित जाति और अन्य संगठनात्मक मोर्चों में भी नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने की संभावना दिखाई देती है। पार्टी संगठन में मोर्चों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलने से आगामी चुनावों और संगठनात्मक अभियानों में नई रणनीति के साथ काम करने की उम्मीद है।

यूपी से सबसे ज्यादा 8 चेहरे

आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए नई टीम में राज्यों के प्रतिनिधित्व पर भी विशेष नजर है। 2027 में विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक 8 चेहरे नई टीम में शामिल किए गए हैं। इसके अलावा उत्तराखंड से 4, गुजरात से 4 और पंजाब से 2 नेताओं को राष्ट्रीय टीम में जिम्मेदारी मिली है। इस तरह इन चार चुनावी राज्यों से कुल 18 चेहरे नई टीम का हिस्सा बने हैं।

वसुंधरा राजे सबसे वरिष्ठ चेहरा

नई टीम में उम्र के लिहाज से वसुंधरा राजे सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं। 17 अगस्त 2026 को उनकी उम्र 73 वर्ष है। भाजपा की राजनीति में लंबे अनुभव और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुकीं वसुंधरा राजे को नई टीम में शामिल किया गया है। वहीं, नई टीम का सबसे युवा चेहरा डॉ. हेमांग जोशी हैं। उनकी उम्र 35 वर्ष है। इस तरह टीम में सबसे उम्रदराज और सबसे युवा सदस्य के बीच 38 वर्ष का अंतर है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को अपनी नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान कर दिया। संगठन में किए गए इस बड़े बदलाव के साथ पार्टी ने कई नए चेहरों को जिम्मेदारी दी है, जबकि कुछ अनुभवी नेताओं को दोबारा मौका दिया गया है। नई टीम में कुल 65 सदस्य शामिल हैं। इनमें 51 नए चेहरे हैं, जबकि 14 नेताओं को उनकी पुरानी जिम्मेदारियों के बाद एक बार फिर संगठन में जगह मिली है। नई टीम के आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा ने संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव किया है। 65 सदस्यीय टीम में करीब 78.5 प्रतिशत सदस्य नए हैं। वहीं, 12 महिला नेताओं को भी राष्ट्रीय संगठन में जिम्मेदारी दी गई है। महिला नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, सचिव के साथ-साथ विभिन्न मोर्चों और सोशल मीडिया से जुड़े संगठनात्मक दायित्व सौंपे गए हैं। नितिन नवीन की नई टीम में सबसे बड़ा बदलाव नए चेहरों की संख्या को लेकर है। कुल 65 सदस्यों में से 51 को पहली बार इस टीम में जिम्मेदारी दी गई है। वहीं केवल 14 पुराने चेहरों को दोबारा जगह मिली है। इस तरह नई टीम में अनुभवी नेताओं के साथ बड़ी संख्या में नए नेताओं को शामिल कर संगठन में नई ऊर्जा लाने का प्रयास किया गया है। पार्टी के भीतर इसे आने वाले समय की राजनीतिक और संगठनात्मक जरूरतों के अनुरूप महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

7 दिन में फाइनल करें हवाई किराया नियम : सुप्रीम कोर्ट

अगर एयरलाइंस न मानें तो प्लेन खड़े कर दें, सरकार ने 3 हफ्ते मांगे थे

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत नियम बनाने का काम तेज कर दिया गया है। इन नियमों का मकसद भारत के विमानन क्षेत्र को आधुनिक बनाना है और इन्हें तीन हफ्ते में अंतिम रूप दे दिया जाएगा। बेंच ने कहा, "इसे सात दिन के भीतर प्रकाशित कीजिए। अगर एयरलाइंस पालन नहीं कर रही हैं तो उन्हें जमीन पर खड़ा कर दीजिए।" सरकार ने जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच के सामने नियमों का ड्राफ्ट सीलबंद लिफाफे में रखा।

>> (शेष पेज 06 पर)



सरकार ने कहा- जल्द पूरी करेंगे प्रक्रिया

कोर्ट में सरकार का पक्ष एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने रखा। उन्होंने बताया कि नियम बनाने की प्रोसेस 3 हफ्ते में पूरी हो जाएगी। उन्होंने कोर्ट में ड्राफ्ट नियम दिखाए। इसके बाद बेंच ने कहा- "एक व्यवस्था सुझाई गई है, लेकिन नियामक को लेकर हम निश्चित नहीं हैं।"

326 सांसदों, 14 राज्यों के सीएम पर आपराधिक केस

सुप्रीम कोर्ट में पेश रिपोर्ट: लोकसभा के 251 और राज्यसभा के 75 सदस्यों पर मामले

तमसा संकेत, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को पेश राजनीति के अपराधीकरण पर पेश रिपोर्ट के मुताबिक, लोकसभा के 543 में से 251 सदस्यों पर आपराधिक मामले हैं। राज्यसभा के 233 में से 75 सदस्यों के खिलाफ भी मामले दर्ज हैं। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एफिडेविट के मुताबिक, सांसदों और विधायकों के खिलाफ 4 हजार से ज्यादा आपराधिक मामले लंबित हैं। 28 राज्यों में से 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जिनमें गंभीर मामले भी शामिल हैं। यह एफिडेविट वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने दाखिल किया है। वे सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों का जल्द निपटारा कराने की मांग वाली जनहित याचिका में कोर्ट की मदद कर रहे हैं। एफिडेविट मे बताया गया कि तेलंगाना के CM रेवंत रेड्डी पर 89 केस हैं। इसके बाद पश्चिम बंगाल के CM सुवेंदु अधिकारी पर 29 और कर्नाटक के CM डीके शिवकुमार पर 19 मामले हैं। हाईकोर्ट से जुटाए गए आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में 1,243 आपराधिक मामलों का फैसला हुआ। इसी साल 1,050 नए मामले दर्ज किए गए।



फास्ट न्यूज

स्वतंत्रता दिवस से पहले आतंकी शहजाद भट्टी का नेटवर्क खत्म

नई दिल्ली। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े आतंकी संगठन शहजाद भट्टी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। एजेंसियों ने 14 राज्यों में कार्रवाई की। नेटवर्क के 200 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर उसके हमले की साजिश नाकाम करने का दावा किया है।

सीबीआई को जांच के लिए आदेश क्यों चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत दी है। कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की सुनवाई पर रोक लगा दी है। CBI और ED को भी निर्देश दिया कि वे हाईकोर्ट में कोई रिपोर्ट दाखिल न करें। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) एसवी राजू ने कहा कि आरोप गंभीर हैं। CBI अभी सिर्फ एक शिकायत की जांच कर रही है। बेंच ने पूछा कि अगर मामला इतना गंभीर है, तो CBI-ED को जांच के लिए कोर्ट के आदेश का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है।

उज्जैन के नागचंद्रेश्वर मंदिर में भगदड़ जैसे हालात

उज्जैन। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को भगदड़ जैसे हालात बन गए। बताया जा रहा है कि यहां करंट फैलने की अफवाह उड़ी थी। इसके चलते लोग बैरिकेड्स हटाकर भागने लगे। इस कोशिश में कुछ लोग दूसरों के ऊपर गिर गए। अफरा-तफरी में 13 लोगों को चोट आई।

बीरभूम के होटल में आग, 8 की मौत

9 झुलसे, शॉर्ट सर्किट से हादसा, सावन सोमवार पर तारापीठ मंदिर आए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

बीरभूम। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तारापीठ मंदिर के पास एक होटल में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बीरभूम के SP विदित राज भुंडेश के मुताबिक, होटल के बाहर से धुआं या आग की लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने सीढ़ियों की मदद से 22 लोगों को बाहर निकाला, जबकि 11 लोगों को अस्पताल भेजा गया। होटल संचालकों के खिलाफ FIR दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच के लिए FSL टीम भी मौके पर पहुंचेगी। अस्पताल में रखा गया। तारापीठ की इसी होटल में आग लगी। होटल में फंसे घायलों का रेस्क्यू किया गया। तारापीठ की इसी होटल में आग लगी।



दीपके के गांव में स्कूल की मरम्मत शुरु

मुंबई। महाराष्ट्र के हिंगोली में कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके के गांव के सरकारी स्कूल में मरम्मत का काम शुरू हो गया है। ये काम दीपके के स्कूल का निरीक्षण कर बुनियादी सुविधाओं की कमी का वीडियो बनाने के दो दिन बाद शुरू हुआ। दरअसल, दीपके ने 15 अगस्त को संतुक पिंपरी गांव के जिला परिषद स्कूल का दौरा किया था। वे अपनी पार्टी के 'स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत करने वहां पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने स्कूल परिसर का वीडियो बनाकर क्लासरूम की टूटी खिड़कियां और अन्य बुनियादी सुविधाओं के अभाव को उजागर किया था। अभिजीत दीपके ने शनिवार को महाराष्ट्र के हिंगोली में अपने गांव से 'स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार की अनदेखी की वजह से गरीब छात्रों को नुकसान हो रहा है, और उन्होंने प्राइवेट स्कूलों की फीस पर सीमा लगाने की मांग की।



कमीशन 125 रुपए प्रति कुंतल किया, बोले- 25 रुपए और बढ़ाएंगे

कोटेदार का नाम सुनते ही चिढ़ होती थी : योगी

बढ़ोतरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश के राशन कोटेदारों के कमीशन में 35 रुपए प्रति कुंतल की बढ़ोतरी कर दी है। अब कोटेदारों को 125 रुपए प्रति कुंतल की दर से कमीशन मिलेगा। पहले इन्हें 90 रुपए प्रति कुंतल कमीशन मिलता था। सरकार के इस ऐलान से प्रदेश भर के 78 हजार से ज्यादा राशन कोटेदारों को फायदा होगा। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कोटेदारों को संबोधित करते हुए कहा- 2017 से पहले लोग आपको शक की निगाह से देखते थे। आपका सम्मान नहीं होता था।

>> (शेष पेज 06 पर)



"योगी ने कहा- यूपी के लोग, नौजवान, व्यापारी, बेटियां या कोई भी नागरिक जब प्रदेश से बाहर जाता था, तो देश शक की निगाहों से देखता था, सम्मान नहीं करता था। अब सब बदल गया है। दावे से कह सकता हूं कि जो लोग पहले यूपी से दूरी बनाते थे, आज दुनिया के किसी भी कोने में जाएंगे, तो 10 कदम आगे आकर लोग गले मिलना चाहेंगे।"

लूट सरकारें करती थीं, गाली आपको मिलती थी

सीएम ने कहा- अगर शासन राशन नहीं भेजता तो भी गाली आप खाते थे। लूट उनकी होती थी, खामियाजा आपको भुगतना पड़ता था। पहले बेसिक शिक्षा परिषद का हाल देखा होगा। आज कह रहे हैं कि स्कूलों का वीडियो बनाएंगे। हमने ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से स्कूलों की अच्छी फ्लोरिंग कराई है। पेयजल, स्मार्ट क्लास और फर्नीचर देने का काम किया है।

कोटेदारों का नाम अन्नपूर्णा केंद्र संचालक होगा

काम ऐसा होना चाहिए, जिसमें सम्मान मिले। ऐसा काम नहीं करना चाहिए, जिससे आप पर उंगली उठे। 2017 से पहले भूख से मौत होती थी। गरीब का राशन कार्ड कोई न कोई सपाई अपने घर में रख लेता था।

केशव बोले- जो हाथ नहीं उठाएगा, समझ जाएंगे कि समाजवादी पार्टी का है

■ उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- 2017 से यूपी में हमारी सरकार चल रही है। जब हम सरकार में आए तो पीएम ने कहा कि जिन्होंने वोट दिया, उनकी भी सेवा करनी है, जिन्होंने वोट नहीं दिया, उनकी भी सेवा करनी है। यानी सबका साथ, सबका विकास करना है।

■ चुनाव आयोग चुनाव का एलान कब करेगा? शायद 2027 की शुरुआत में करे। मैं नहीं जानता हूं। विरोधियों के पास कोई मुद्दा नहीं है। क्या राम मंदिर के निर्माण में समाजवादी पार्टी का कोई योगदान था? राम मंदिर में चढ़ावे की कुछ कर्मचारियों ने चोरी कर ली, वो पकड़े भी गए। वो इसे मुद्दा बनाने में लगे हुए हैं।

■ 2017 से पहले प्रदेश में अखिलेश यादव सरकार में कौन था? उस वक्त आपका पीडीए कहां चला गया था? अखिलेश के चाचा कह रहे हैं कि आजम खान को गृह मंत्री बना देंगे। आप सब के सहयोग से 2027 में हम प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएंगे।

■ यूपी में बहुत सुधार हुआ है। हर व्यक्ति, हर परिवार ने परिवर्तन देखा है। मुझे नहीं लग रहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले ग्राम सभाओं का चुनाव होने वाला है। सब हाथ उठाकर बताओ कि 2027 में कमल खिलाओगे या नहीं। जो हाथ नहीं उठाएगा, हम समझ जाएंगे कि समाजवादी पार्टी का है।

राहुल-सोनिया पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप, जांच शुरू

एफआईआर की मांग, दावा- राहुल ने वंदे मातरम गाने से इनकार किया था

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। दिल्ली पुलिस ने राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ वंदे मातरम के अपमान से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। 16 अगस्त को IP एस्टेट थाने में एक वकील ने शिकायत की थी। इसमें दोनों नेताओं के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वंदे मातरम के शुरुआती हिस्से के बाद सोनिया गांधी ने कुछ इशारे किए, जिन्हें गाना जारी रखने पर आपत्ति के तौर पर देखा गया। शिकायत में एक वीडियो का भी जिक्र है। इसमें राहुल गांधी के कथित तौर पर 'हम वंदे मातरम नहीं गाएंगे' कहने का दावा किया गया है। उधर, भाजपा ने सोनिया गांधी के खिलाफ बेंगलुरु और मंगलुरु में पुलिस शिकायत दर्ज कर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया और कार्रवाई की मांग की। बेंगलुरु में बीजेपी युवा मोर्चा ने मल्लेश्वरम और मंगलुरु में बीजेपी नेताओं ने उर्वा थाने में शिकायत दी। पुलिस ने अभी FIR दर्ज नहीं की है। कर्नाटक भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक धीरज मुनिराजू ने कहा कि सोनिया और राहुल गांधी को वंदे मातरम के अपमान के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। माफी मिलने तक विरोध जारी रहेगा। मंगलुरु में बीजेपी नेताओं ने सोनिया गांधी के व्यवहार को वंदे मातरम के संबंध में अनुचित बताते हुए कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि इस विवाद से राष्ट्रगीत से जुड़ी भावनाएं आहत हुई हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ एक स्टाफ सदस्य पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पास पहुंचा। खड़गे ने उसके कान में कुछ कहा, फिर सोनिया ने भी उससे बात की।

10,000 से 18,000 रुपये तक के वेतन पर नौकरी, कानपुर नगर 149 चयन के साथ टॉप पर

75 जिलों के 1,559 दिव्यांगजनों को मिला रोजगार और स्वरोजगार



अभियान के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले जनपदों में कानपुर नगर सबसे आगे रहा, जहां 149 दिव्यांगजनों का चयन किया गया। इसके अलावा आजमगढ़ में 77, अमरोहा में 69, बरेली में 63 और सुलतानपुर में 56 दिव्यांगजन रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़े।

योजना

तमसा संकेत, संवाददाता



कौशल विकास मिशन के 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0' में 538 दिव्यांग युवा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से जुड़े

लखनऊ। योगी सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा मिशन निदेशक पुलकित खरे के निर्देशन में 3 से 13 अगस्त तक चलाए गए 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0' ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 75 जिलों में 11 दिन तक चले विशेष अभियान के दौरान प्रदेशभर में आयोजित रोजगार मेलों, प्लेसमेंट ड्राइव और स्वरोजगार गतिविधियों के माध्यम से 1,559 दिव्यांगजन रोजगार और स्वरोजगार से जुड़े।

अभियान के जरिए दिव्यांगजनों को नौकरी के अवसर देने के साथ-साथ उन्हें अपना रोजगार शुरू करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं और ऋण सुविधाओं से भी जोड़ा गया।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी दिव्यांगजन रोजगार से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन रोजगार अभियान केवल नौकरी देने का माध्यम नहीं, बल्कि दिव्यांग युवाओं को आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर देने की पहल है।

> अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने जरूरत पड़ने पर लाभार्थियों के घर तक पहुंचकर व्यक्तिगत काउंसिलिंग की। जिन दिव्यांगजनों से मोबाइल बंद होने या संपर्क न हो पाने के कारण बात नहीं हो सकी, उनसे होम विजिट के माध्यम से संपर्क किया गया।

रोजगार मेलों का आयोजन

अभियान के तहत विभिन्न जनपदों में रोजगार कैंप, प्लेसमेंट ड्राइव और रोजगार मेलों का आयोजन किया गया। इनमें निजी क्षेत्र की कंपनियों ने भाग लेकर दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। कई कंपनियों ने मौके पर ही अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें जॉइनिंग लेटर प्रदान किए। हेल्थकेयर, फाइनेंस, इंश्योरेंस, टेलीकॉम सहित विभिन्न क्षेत्रों में डाटा एंट्री ऑपरेटर, कस्टमर सपोर्ट एक्जीक्यूटिव, हेल्थकेयर असिस्टेंट, ड्रेसर, टेलीकॉलर, मशीन ऑपरेटर, तकनीकी सहायक और हेल्पर जैसे पदों पर रोजगार के अवसर दिए गए। चयनित अभ्यर्थियों को लगभग 10,000 से 18,000 रुपये तक का मासिक वेतन ऑफर किया गया।

कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष

सावन के सोमवार और नागपंचमी का अद्भुत संयोग



- काशी में बाबा विश्वनाथ का अर्धनारीश्वर स्वरूप में हुआ विशेष श्रृंगार, दिव्य दर्शन कर भक्त भावविभोर
- बाराबंकी में भी श्रद्धालुओं का आकाश से पुष्पवर्षा कर अभिनंदन, प्रमुख शिवधामों में भारी भीड़

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। श्रावण मास के तीसरे सोमवार को प्रदेश में आस्था और भक्ति का अद्भुत प्रवाह देखने को मिला। सावन के सोमवार और नागपंचमी का दुर्लभ संयोग होने के कारण श्री काशी विश्वनाथ धाम समेत प्रदेश के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बाबा विश्वनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। इस शुभ दिन कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर श्रद्धा और भक्ति भाव से अभिनंदन किया गया। रामनगरी अयोध्या में भी शिवालयों में हर-हर महादेव गूंजता रहा।

वाराणसी में सुबह से ही बाबा के दरबार में श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। पहले पहर की मंगला आरती के साथ ही काशी मंगल ध्वनि से गूंज उठी। मंदिरों में घंटे-घड़ियाल, शंख और डमरुओं के निनाद से वातावरण शिवमय बना रहा। काशी की गलियों से लेकर श्री काशी विश्वनाथ धाम तक हर ओर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' का जयघोष सुनाई देता रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई।

फास्ट न्यूज

हजरतगंज में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में लगी आग

लखनऊ । लखनऊ में सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे हजरतगंज स्थित खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय भवन में आग लग गई। धुंआ उठता देख मौके पर हड़कंप मच गया। कंट्रोल रूम हजरतगंज को एआरओ-आईपी के जरिए सूचना दी गई। इसके बाद अग्निशमन केंद्र हजरतगंज से दो दमकल गाड़ियां तत्काल मौके के लिए रवाना किए गए। दमकल कर्मियों के मौके पर पहुंचने पर भवन में ज्यादा धुआं भरा हुआ था।

जनपद की पांचो तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 260 प्रकरण प्राप्त हुए

लखनऊ । जनपद लखनऊ की पांचों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किये गये । सम्पूर्ण समाधान दिवसो में तहसील सदर में 39 में से 04 प्रकरण का निस्तारण प्रकरण, तहसील मलिहाबाद में 26 में से 02 प्रकरण का निस्तारण, तहसील बी0के0टी0 में 56 में से 10 प्रकरण का निस्तारण, तहसील मोहनलालगंज में 104 में से 17 प्रकरण का निस्तारण तथा तहसील सरोजनीनगर में 35 में से 01 प्रकरण का निस्तारण मौके पर किया गया। शेष प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागों को प्रेषित किए गये।

कई इलाकों में ब्रेकडाउन से बिजली संकट

लखनऊ । लखनऊ में रविवार को बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में बिजली सप्लाई व्यवस्था चरमरा गई। कहीं ट्रांसफार्मर खराब होने तो कहीं फीडर में ब्रेकडाउन के कारण घंटों बिजली गुल रही। लौलाई गांव के आसपास की सोसाइटियों में करीब 250 घरों की बिजली शनिवार रात 10 बजे से बंद रही। करीब 18 घंटे बाद भी आपूर्ति बहाल नहीं होने से लोगों को बिजली के साथ पानी के संकट का भी सामना करना पड़ा।

रूबी-उल-अव्वल पर पिरान कलियर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाएंगे सपा नेता



तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से रूबी-उल-अव्वल के अवसर पर उत्तराखंड के रुड़की स्थित विश्व प्रसिद्ध पिरान कलियर शरीफ दरगाह पर चादर भेंट की जाएगी। पार्टी की ओर से यह चादर संत अलाउद्दीन अली अहमद साबरी की दरगाह पर पेश की जाएगी।

सपा के वरिष्ठ नेता माजिद सिद्दीकी मुजफ्फरनगर, सूफी कमालउद्दीन खुशहाल साहब, हाजी अकील साबरी, सम्भल सहित अन्य सूफी संतों के साथ दरगाह पर चादर भेंट करेंगे। इस दौरान रूबी-उल-अव्वल के मौके पर अमन, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की भावना का संदेश दिया जाएगा।

इस अवसर पर एमएच सिद्दीकी और सलीमुद्दीन खान भी मौजूद रहेंगे। समाजवादी पार्टी की ओर से जारी बयान में बताया गया कि रूबी-उल-अव्वल के अवसर पर पिरान कलियर शरीफ दरगाह पर चादर पेश करने की यह रस्म अखिलेश यादव की ओर से की जा रही है।

विकासनगर में सड़क धंसी, आवाजाही बंद, जानकीपुरम, फैजुल्लागंज में 3 फीट पानी

लखनऊ नगर निगम की छत से टपकने लगा पानी

तमसा संकेत, एजेंसी



मुंशी पुलिया से पॉलिटेक्निक चौराहा और यहां से कमता तिराहे तक भीषण जाम लगा है। पॉलिटेक्निक चौराहे पर जाम में एंबुलेंस भी फंसी रही।

लखनऊ । लखनऊ में लगातार दूसरे दिन रुक-रुककर झमाझम बारिश से नगर निगम के ऑफिस की छत से पानी टपकने लगा है। विकासनगर में गुलाचीन मंदिर की सड़क धंस गई है। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर आवाजाही बंद करा दी है। उर्मिला वन के सामने वाली सड़क भी धंसी है। जानकीपुरम और फैजुल्लागंज इलाके की गलियों में 3 फीट तक पानी भरा हुआ है।

गोमतीनगर, अलीगंज, बंथरा, चौक, ठाकुरगंज की हर कॉलोनी की गलियां नदी बन गई हैं। शहर के कई पावर हाउसों में ब्रेकडाउन से बिजली कटौती भी बनी हुई है। उधर, बारिश के बीच विधानसभा के आसपास, हजरतगंज, हुसैनगंज, टेढ़ी पुलिया, कुर्सी रोड, अलीगंज, पुरानिया में जाम की स्थिति है।

कई चौराहों से ट्रैफिक पुलिस नदारद दिखी। शहर में ई-रिक्शा और ऑटो के अतिक्रमण के चलते जाम की स्थिति विकट हो गई है। मौसम विभाग ने आज सोमवार पूरे दिन बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 18 और 19 अगस्त को भी बारिश का अलर्ट है। पिछले 24 घंटे में शहर में 8.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई है। इससे एक दिन पहले 15 अगस्त को इस सीजन की एक दिन में सबसे ज्यादा 40.9 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इस पूरे मानसून सीजन में लखनऊ में 349.9 मिलीमीटर बारिश हुई। जबकि, सामान्य बारिश का औसत 438.5 मिलीमीटर है।





विकासनगर में दो दिन बाद फिर धंसी सड़क

स्थानीय दुकानदार सलमान ने बताया कि करीब दो महीने पहले भी यह सड़क धंस गई थी, जिसके बाद इसकी मरम्मत का काम शुरू हुआ था। दो दिन पहले ही सड़क पर दोबारा आवागमन शुरू हुआ था, लेकिन रविवार देर रात यह फिर धंस गई। सलमान के मुताबिक, सोमवार सुबह जब वे दुकान पहुंचे तो पूरा रास्ता धंसा हुआ था और आवागमन बंद था। इसके बाद अलग-अलग विभागों के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सड़क की मरम्मत का काम शुरू किया।

करीब दो महीने से रास्ता बंद होने के कारण स्थानीय लोगों को घूमकर आना-जाना पड़ रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर आसपास के व्यापारियों पर पड़ रहा है।

पीआरडी जवानों के लिए 3000 रुपये वर्दी भत्ता की धनराशि उनके खातों में भेजेंगे

पीआरडी जवानों पर मंगलवार को उपहारों की बारिश करेंगे योगी

- मंगलवार को गोरखपुर के योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में पीआरडी जवानों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे मुख्यमंत्री
- कैशलेस चिकित्सा सुविधा कार्ड का वितरण कर 'मुख्यमंत्री पीआरडी परिवार कल्याण योजना' का शुभारंभ करेंगे सीएम
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रिमोट का बटन दबाकर लखनऊ में बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी करेंगे



तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार (18 अगस्त) को गोरखपुर से प्रदेशभर के पीआरडी (प्रांतीय रक्षक दल) जवानों पर उपहारों की बौछार करेंगे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन को संबोधित करने के साथ-साथ मुख्यमंत्री इन जवानों के लिए 3000 रुपये वर्दी भत्ता की धनराशि उनके खातों में अंतरित करेंगे। इसके साथ ही वह पीआरडी स्वयंसेवकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा कार्ड का वितरण कर 'मुख्यमंत्री पीआरडी परिवार कल्याण योजना' का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर रिमोट का बटन दबाकर लखनऊ में बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी करेंगे। पीआरडी जवानों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सदैव संवेदनशील पहल करते रहे हैं। इन जवानों का ड्यूटी भत्ता बढ़ाने का श्रेय भी सीएम योगी को ही है। पहले इन जवानों को 395 रुपये ड्यूटी भत्ता मिलता था जिसे योगी सरकार ने बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन कर दिया। अब सरकार उनका वर्दी भत्ता भी बढ़ा रही है। साथ ही इलाज संबंधी चिंताओं से मुक्त करते हुए जवानों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड भी उपलब्ध होने जा रहा है। वृद्धि के साथ वर्दी भत्ता की धनराशि का बैंक खातों में अंतरण और कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण का शुभारंभ मंगलवार (18 अगस्त) को पूर्वाह्न 11 बजे से गोरखपुर में आयोजित पीआरडी जवान सम्मेलन में सीएम योगी द्वारा किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 1948 में गठित प्रांतीय रक्षक दल के जवान (स्वयंसेवक) थानों, यातायात व्यवस्था में पुलिस का सहयोग करने के साथ विभिन्न शासकीय कार्यालयों, धार्मिक स्थलों और बड़े आयोजनों में ड्यूटी कर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाने रखने में सहयोग करते हैं। पर, योगी सरकार से पहले ये जवान उपेक्षा के शिकार बने रहते थे।

पांचों तहसीलों में 260 शिकायतें, 34 का निस्तारण

लखनऊ । लखनऊ की पांचों तहसीलों में सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 260 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 34 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को समय से सॉल्व करने के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। तहसील मोहनलालगंज में सबसे ज्यादा 104 शिकायतें पहुंचीं। इनमें से 17 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। BKT तहसील में 56 में से 10, सदर तहसील में 39 में से 4, मलिहाबाद में 26 में से 2 और सरोजनीनगर तहसील में 35 में से 1 मामले का मौके पर समाधान हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व से संबंधित 147 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इसके अलावा पुलिस से जुड़े 35, विकास विभाग से 19, शिक्षा से 3, स्वास्थ्य से 1, समाज कल्याण से 5 और नगर निगम से 3 शिकायतें आईं। राजस्व एवं पुलिस से संयुक्त रूप से संबंधित 1 प्रकरण भी प्राप्त हुआ।

वंदे मातरम् के अपमान पर विहिप का प्रदर्शन

कांग्रेस नेताओं के पुतले को जूतों से पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में सोमवार को 5:22 बजे विश्व हिंदू परिषद (VHP) के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज चौराहे पर कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पुतले फूंके। VHP ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया।

VHP कार्यकर्ता कांग्रेस नेताओं के पुतले लेकर विरोध मार्च निकालते हुए हजरतगंज चौराहे पर पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की और पुतलों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुतलों को जूतों से भी पीटा।

प्रदर्शनकारियों ने 'राष्ट्र गीत का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' के नारे लगाए। करीब 40 मिनट तक चौराहे पर नारेबाजी और हंगामा चलता रहा।

प्रदर्शन कर रहे एसके सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् के सम्मान में हम लोग सड़क पर उतरे हैं। किसी भी हाल में राष्ट्रगीत का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जो कृत्य किया है, उसे देश कभी माफ नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की हमेशा देश विरोधी सोच रही है।

प्रदर्शन : ग्राम पंचायत अधिकारी अभ्यर्थी बोले- प्रक्रिया पूरी फिर रिजल्ट में देरी क्यों ?

यूपीएसएसएससी भवन का बारिश में भीगते हुए घेराव

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में सोमवार को ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती-2022 के अभ्यर्थियों ने UPSSSC भवन का घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे अभ्यर्थी बारिश में भीगते हुए करीब आधे घंटे तक नारेबाजी करते रहे। पुलिस और प्रशासन की टीम ने समझा-बुझाकर प्रदर्शन खत्म कराया। अभ्यर्थी भर्ती का फाइनल रिजल्ट जारी करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि भर्ती प्रक्रिया के तहत लिखित परीक्षा और अभिलेख सत्यापन समेत सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, इसके बावजूद परिणाम जारी नहीं किया जा रहा है। अभ्यर्थी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि 2022 में भर्ती का विज्ञापन जारी हुआ था और 2023 में आवेदन लिए गए। सभी जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी फाइनल रिजल्ट का इंतजार है। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्हें बार-बार प्रदेशभर से लखनऊ आना पड़ रहा है। इससे पहले 21 जुलाई को अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आवास का भी घेराव किया था। उन्होंने आयोग से जल्द परिणाम जारी करने की मांग की।

2022 में आई थी वैकेंसी

अभ्यर्थी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि PET के जरिये 2022 में वैकेंसी आई थी। ग्राम पंचायत अधिकारी के 1468 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया 2023 में शुरू हुई थी। हजारों अभ्यर्थियों ने भर्ती में आवेदन किया। 27 अप्रैल 2025 को लिखित परीक्षा भी आयोजित हो चुकी है। पात्र अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया अप्रैल-मई तक पूरी कर ली गई थी। फिर भी अब तक फाइनल परिणाम जारी नहीं किए गए हैं। परिणाम में हो रही देरी की वजह से अभ्यर्थियों में नाराजगी है।

'लोन लेकर पढ़ाई किया'

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नौकरी हम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। परिवार की तमाम उम्मीदें हमारे ऊपर टिकी हुई है। जब तक जॉइनिंग नहीं हो जाती हम सभी लोगों कि गिनती बेरोजगारों में होती रहेगी। बहुत सारे ऐसे अभ्यर्थी है जिन्होंने लोन लेकर पढ़ाई किया या कर्जा लिया है। ऐसे में उन्हें अपना लोन भी चुकाना है। अगर नियुक्ति मिल जाए तो तमाम समस्याओं का समाधान हो जाए।

केजीएमयू में 2 दिन बाद खुली ओपीडी, फिर बैठा सर्वर

लखनऊ। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में दो दिन की छुट्टी के बाद सोमवार को खुली ओपीडी में मरीजों को एक बार फिर सर्वर की समस्या से जूझना पड़ा। सुबह बारिश के बीच किसी तरह मरीज और तीमारदार अस्पताल पहुंचे। शुरुआत में करीब आधे घंटे तक व्यवस्थाएं सामान्य रहीं, लेकिन इसके बाद अचानक सर्वर ने काम करना बंद कर दिया।

सर्वर ठप होने से ओपीडी रजिस्ट्रेशन और जांच प्रक्रिया प्रभावित हुई। रजिस्ट्रेशन काउंटरों के साथ ही जांच केंद्रों पर मरीजों की लंबी कतारें लग गईं। कई मरीज घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे। बारिश के कारण बाहर से आए मरीजों और तीमारदारों की परेशानी और बढ़ गई। इससे पहले पिछले सप्ताह भी KGMU की ऑनलाइन सेवाएं और सर्वर करीब तीन दिन तक बाधित रहे थे। उस दौरान ओपीडी रजिस्ट्रेशन, फीस जमा करने और जांच रिपोर्ट जैसी सेवाओं पर असर पड़ा था।

8,750 से अधिक श्रद्धालु कर चुके रामलला के दर्शन

62वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा सम्पन्न

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए जलपान, भोजन और चिकित्सा सहायता समेत आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान कर हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया। उन्हें रामचरितमानस, श्रीमद्भगवद्गीता और प्रसाद भी भेंट किया गया। जय श्रीराम के उद्घोष से यात्रा का माहौल भक्तिमय बना रहा।

तमसा संकेत, संवाददाता





लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल से ग्राम भागुखेड़ा, पोस्ट जैतीखेड़ा से निकली 62वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुई। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन किए और हनुमानगढ़ी सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना की।

डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा वरिष्ठ नागरिकों, मातृशक्ति और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के श्रद्धालुओं को निःशुल्क अयोध्या धाम की यात्रा कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। 27 सितंबर 2022 को उनकी पूज्य माताजी स्वर्गीय श्रीमती तारा सिंह की स्मृति में शुरू हुई इस पहल के तहत अब तक 8,750 से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचकर श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं।

डॉ. राजेश्वर सिंह के अनुसार, रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा का उद्देश्य केवल तीर्थ दर्शन कराना नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के मर्यादा, सेवा, त्याग और कर्तव्य के आदर्शों को समाज तक पहुंचाना भी है। यह अभियान बुजुर्गों के सम्मान, सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का माध्यम बन रहा है। आयोजकों ने कहा कि सरोजनीनगर में रामभक्ति, सेवा और समरसता की इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया है।

हरदोई में कांवड़ यात्रा के दौरान हादसा

22 साल के रिंकू की मौत, ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक का हैंडल टकराने के बाद हुआ हादसा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह कांवड़ यात्रा के दौरान सड़क हादसे में 22 वर्षीय रिंकू की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 5 बजे गुलाबवाड़ी के पास हुआ। रिंकू संडीला कोतवाली क्षेत्र के नानकखेड़ा मजरा सोम गांव का रहने वाला था। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज हरदोई ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रिंकू अपने गांव से करीब 70 अन्य साथियों के साथ अलग-अलग बाइकों से कांवड़ यात्रा पर निकला था। सभी बिलग्राम के राजघाट पहुंचे थे। यहां से गंगाजल भरने के बाद कांवड़िए बाराबंकी के रामनगर थाना क्षेत्र स्थित लोधेश्वर



महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए रवाना हुए थे। गुलाबवाड़ी के पास सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के पास से निकलते समय रिंकू की बाइक का हैंडल ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गया। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में रिंकू के अलावा पवन कुमार और सत्येंद्र भी घायल हो गए। दोनों के पैरों में फ्रैक्चर हुआ है। रिंकू की मौत की खबर कांवड़ यात्रा में शामिल उसके साथियों और ग्रामीणों तक पहुंची तो वहां भी मायूसी छा गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इंस्पेक्टर बिलग्राम विजय ने बताया कि पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया है।

पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ा था रिंकू

परिजनों के मुताबिक रिंकू पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। उसके बाद काजल, विनीता, दीपाली और विशाल हैं। उसके माता-पिता सुशील कुमार और अनीता बच्चों के साथ हरियाणा में रहते हैं, जबकि रिंकू गांव में अपने दादा मिश्रीलाल के साथ रहता था। सबसे बड़े बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत

हादसे की सूचना मिलते ही बिलग्राम पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को सीएचसी बिलग्राम पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी को मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान रिंकू की मौत हो गई, जबकि पवन और सत्येंद्र का उपचार जारी है।







बारिश में कच्ची दीवार गिरने से महिला की मौत

बाराबंकी के मोहम्मदपुर गांव में हादसा, मलबा हटाकर ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के देवा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में सोमवार को भारी बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से 68 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसे में महिला दीवार के मलबे की चपेट में आ गईं। मृतका की पहचान राजेश्वरी पत्नी परमेश्वर के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि बारिश के दौरान अचानक कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आनन-फानन में मलबा हटाकर राजेश्वरी को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। परिजन और ग्रामीण महिला को इलाज के लिए



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवा लेकर पहुंचे। सीएचसी अधीक्षक डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि महिला को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की जानकारी ली। पुलिस ने



आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार बारिश से बढ़ा कच्चे मकानों के गिरने का खतरा जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच कच्चे मकानों और जर्जर दीवारों के गिरने का खतरा बढ़ गया है। इससे पहले भी बारिश के दौरान कच्ची दीवारें गिरने से जनहानि की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में ग्रामीण इलाकों में जर्जर मकानों और कमजोर दीवारों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

फास्ट न्यूज

किन्नर के घर लूट का खुलासा

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र के डकारी गांव में किन्नर के घर हुई लाखों रुपए की लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एसओजी, सर्विलांस और गंगाघाट पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार रात मुठभेड़ के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शईम उर्फ सोएब और शफीक उर्फ जग्गा के पैर में गोली लगी। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सावन के तीसरे सोमवार पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

उन्नाव। उन्नाव में सावन के तीसरे सोमवार को श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। सुबह से ही गंगाघाट पर स्नान के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारे गूंजते रहे। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालु शिवालयों में जलाभिषेक के लिए पहुंचे, जिससे मंदिरों में भी भारी भीड़ रही। गंगाघाट पर अलसुबह से ही दूर-दराज से आए कांवड़ियों और अन्य श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। पुरुष, महिलाएं और बच्चों ने श्रद्धापूर्वक गंगा स्नान किया। स्नान के उपरांत भक्तों ने घाट पर पूजा-अर्चना की और फिर शिवालयों की ओर प्रस्थान किया।

24 घण्टे में गंगा जलस्तर में 6 सेमी की गिरावट

उन्नाव। उन्नाव में गंगा के जलस्तर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन तटीय और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटे में जलस्तर छह सेंटीमीटर घटकर 112.220 मीटर पर पहुंच गया है। हालांकि, पानी अभी भी आबादी के करीब है, जिससे लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। केंद्रीय जल आयोग ने आने वाले दिनों में जलस्तर में और कमी आने की संभावना जताई है।

बाराबंकी में लगती है जहरीले सांपों की अदालत

नाग पंचमी पर रात 12 बजे से लगी दर्शन के लिए लंबी कतारें

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में एक प्राचीन नाग देवता मंदिर स्थित है, जहां नाग पंचमी पर हजारों श्रद्धालु जुटते हैं। जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर मंजीठा गांव में स्थित यह मंदिर अपनी अनूठी मान्यताओं के लिए आसपास के जिलों में भी प्रसिद्ध है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना है और यहां जहरीले सांपों की 'अदालत' लगती है। सावन महीने में नाग पंचमी के अवसर पर मंदिर में विशेष आयोजन होता है। श्रद्धालु रात लगभग 12 बजे से ही नाग देवता के दर्शन के लिए कतार में खड़े होना शुरू कर देते हैं। बाराबंकी के साथ-साथ कई पड़ोसी जिलों से भी भक्त यहां पहुंचते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, सावन माह और विशेषकर नाग पंचमी पर मांगी गई मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मंजीठा गांव की एक और विशेषता यह है कि यहां के कई



घरों में अक्सर सांप देखे जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ये सांप घरों में रहने के बावजूद किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते। लोग उन्हें मारने के बजाय नाग देवता का स्वरूप मानकर पूजते हैं। सांप दिखाई देने पर कई लोग हाथ जोड़कर उनकी पूजा करते हैं और दूध चढ़ाने की परंपरा का निर्वहन करते हैं। मंदिर में मिट्टी से बनी छोटी 'मलिया' चढ़ाने की भी एक परंपरा है। मंदिर के पुजारी के अनुसार, श्रद्धालु शारीरिक कष्टों या बीमारियों से मुक्ति की कामना के साथ मलिया अर्पित करते हैं।

कमरे में फंदे पर लटका मिला युवक का शव

हरदोई में सुबह कमरे से बाहर नहीं आया तो परिजनों ने देखा, पुलिस ने खिड़की तोड़कर शव उतारा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिले के माधौगंज थाना क्षेत्र के बरगदिया पुरवा गांव में सोमवार सुबह एक 25 वर्षीय युवक का शव उसके कमरे में रस्सी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे की खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया और शव को फंदे से नीचे उतारा। इसके बाद आवश्यक कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दोपहर करीब तीन बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतक की पहचान ओमप्रकाश के रूप में हुई है। वह अविवाहित था और छह भाई-बहनों में सबसे छोटा था। पिता चन्दर के मुताबिक, ओमप्रकाश पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा था।

सूचना मिलने के बाद माधौगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण पुलिस टीम ने खिड़की तोड़कर कमरे में प्रवेश किया। इसके बाद अंदर से दरवाजा खोला गया और युवक के शव को फंदे से नीचे उतारा गया।



रविवार रात परिवार के साथ खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया था।

खिड़की तोड़कर कमरे में दाखिल हुई पुलिस

पुलिस ने घटनास्थल की जांच करने के बाद आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मृतक के पिता चन्दर ने पुलिस को बताया कि ओमप्रकाश कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा था। रविवार रात खाना खाने के बाद वह सामान्य रूप से अपने कमरे में सोने चला गया था। सुबह परिवार को घटना की जानकारी हुई। हालांकि पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने घटनास्थल से संबंधित जानकारी जुटाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सुबह आवाज देने पर नहीं मिला जवाब

सोमवार सुबह काफी देर तक ओमप्रकाश अपने कमरे से बाहर नहीं आया। परिवार के लोगों ने उसे कई बार आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने कमरे का दरवाजा खोलने का प्रयास किया तो पता चला कि दरवाजा अंदर से बंद था। परिजनों ने खिड़की से कमरे के अंदर झांककर देखा तो ओमप्रकाश फंदे से लटका दिखाई दिया। यह दृश्य देखकर परिवार के लोग घबरा गए। इसके बाद तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

मां समेत परिवार का रो-रोकर बुरा हाल ओमप्रकाश की मौत के बाद उसकी मां सोमवती और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार में सबसे छोटे बेटे की मौत से परिजनों को गहरा सदमा लगा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में भी मातम का माहौल है।

नाव पलटने से तालाब में डूबने से युवक की मौत

साथी को लोगों ने बचाया, उन्नाव में मछली पकड़ने गया था

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र के मझखोरिया गांव में सोमवार दोपहर तालाब में नाव पलटने से एक युवक की डूबकर मौत हो गई। युवक मछली पकड़ने के लिए तालाब में गया था। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान माखी थाना क्षेत्र के रूपउ गांव निवासी मांगू (37) पुत्र सुल्ताने के रूप में हुई है। बताया गया कि सोमवार दोपहर करीब तीन बजे मांगू मझखोरिया गांव स्थित तालाब में नाव से



मछली पकड़ रहा था। इसी दौरान अचानक नाव अनियंत्रित होकर पलट गई और मांगू तालाब में डूब गया।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही माखी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेकर जानकारी जुटाई। मझखोरिया की लेखपाल राधा सिंह और रूपउ के लेखपाल अखिलेश भी मौके पर पहुंचे। राजस्व विभाग की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

थाना पुलिस के अनुसार, नाव पर दो लोग सवार थे। इनमें से एक व्यक्ति को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि मांगू की डूबने से मौत हो गई। माखी थानाध्यक्ष योगेश सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कुशीनगर पुलिस में बड़ा फेरबदल

दो सीओ समेत 28 पुलिसकर्मियों के बदले कार्यक्षेत्र

तमसा संकेत, एजेंसी

कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने सोमवार को जनहित और प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जिले के पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। जारी आदेश के तहत दो क्षेत्राधिकारियों (सीओ) समेत कुल 28 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। सभी स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। फेरबदल के तहत नवागत पुलिस उपाधीक्षक अजय कुमार श्रीवास्तव को खड्डा सर्किल का नया क्षेत्राधिकारी नियुक्त किया गया है। अब खड्डा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग से जुड़े कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी उनके पास होगी।



नए तैनाती स्थल पर तत्काल संभालना होगा कार्यभार

पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी आदेश में सभी स्थानांतरित अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके नए कार्यक्षेत्र में तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को नई जिम्मेदारियों के अनुसार पुलिसिंग व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए कहा गया है।

पुलिस विभाग की ओर से किए गए फेरबदल को जनहित और प्रशासनिक जरूरतों से जोड़कर देखा जा रहा है। अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां मिलने के बाद संबंधित क्षेत्रों में पुलिस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की उम्मीद है।



27 पुलिसकर्मी यूपी डायल-112 में भेजे गए

पुलिस विभाग में हुए फेरबदल के तहत जिले के अलग-अलग थानों और पुलिस शाखाओं में तैनात 27 पुलिसकर्मियों को यूपी डायल-112 में स्थानांतरित किया गया है। इन पुलिसकर्मियों को जिले के विभिन्न थानों से हटाकर डायल-112 की सेवा से जोड़ा गया है। स्थानांतरित किए गए पुलिसकर्मियों में तमकुहीराज, हाटा, चौराखास, कसया, जटहां बाजार, कोतवाली पड़रौना, तरयासुजान, सेवरही, पटहेरवा, तुर्कपट्टी, विशुनपुरा, रविंद्रनगर धूस, बरवापट्टी, नेबुआ नौरंगिया, कुबेरस्थान, अहिरौली बाजार और कप्तानगंज समेत कई थानों में तैनात पुलिसकर्मी शामिल हैं।

कार्यवाई : मसूद को गुरु मानता था, उम्र-24 साल, चेहरा छिपाकर वीडियो बनाता, कहता- जेहाद करो

मस्जिद से एटीएस ने जैश का आतंकी पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। यूपी ATS ने पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध आतंकी मोहम्मद जफर को पकड़ा है। ये गिरफ्तारी रविवार को मेरठ की एक मस्जिद से हुई। 24 साल का जफर बिहार के पूर्णिया जिले का रहने वाला है। मेरठ के एक मदरसे में 2022 में मौलवी की डिग्री ली थी। अभी दो महीने पहले ही ये मेरठ आया था। ATS ने सोमवार को प्रेस नोट जारी किया। आरोप है कि वह मदरसे के नाम पर लोगों से चंदा जुटाकर उसकी रकम पाकिस्तान में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद तक भेजता था। जांच में उसके मोबाइल से पाकिस्तानी जेहादी वॉट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया पर जेहाद-खिलाफत से जुड़ी गतिविधियों के सबूत मिले



हैं। पूछताछ में जफर ने बताया कि पढ़ाई के दौरान उसने जैश-ए-मोहम्मद के बारे में पढ़ा था। जिहाद और मुजाहिदों की शहादत के बारे में पढ़कर वह प्रभावित हुआ। मौलाना मसूद अजहर के प्रभाव में आकर उसके मन में मुजाहिद बनना चाहता था। ATS के मुताबिक, पाकिस्तानी हैंडलर के कहने पर जफर ने रकम भेजने की कोशिश की। इसके बाद उसने बाइनेंस अकाउंट की जानकारी मांगी। संदिग्ध पाकिस्तानी लोगों के संपर्क में रहकर क्रिप्टोकरेंसी USDT के जरिए कई बार रकम भेजी। जांच एजेंसी अब उसके संपर्कों, लेनदेन और आतंकी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। जफर के खिलाफ ATS ने FIR दर्ज कर ली है। जांच एजेंसी उसके सोशल मीडिया अकाउंट, मोबाइल से मिले चैट और पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों की पड़ताल कर रही है।

साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि चंदे और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए रकम कहां-कहां भेजी गई। इस नेटवर्क में जफर के अलावा कौन-कौन लोग शामिल हैं। जैश ए मोहम्मद (JEM) पाकिस्तान का आतंकवादी संगठन है। इसे आतंकी मसूद अजहर ने साल 2000 में बनाया था। इस पर भारत समेत कई देशों में आतंकी हमलों को अंजाम देने के आरोप हैं।

जैश का मुख्यालय पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बहावलपुर में है। ये संगठन पाकिस्तान के कई इलाकों में ट्रेनिंग कैम्प और आतंकी नेटवर्क संचालित करता है। इसके मुखिया आतंकी मसूद अजहर को साल 1994 में जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, दिसंबर 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट IC-814 के अपहरण के बाद बंधकों की रिहाई के बदले भारत सरकार ने उसे रिहा कर दिया था।

मसूद अजहर के भाषणों से प्रभावित हुआ

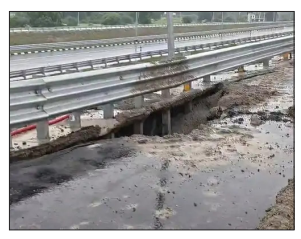
ATS के मुताबिक, जफर जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के भाषणों से प्रभावित था। वह उसके भड़काऊ और जेहादी भाषण शेयर कर लोगों को हिंसक जेहाद के लिए उकसाता था। जांच के दौरान उसके सोशल मीडिया अकाउंट से ऐसी गतिविधियों मिलीं। फेसबुक पर वह चेहरा ढंककर जेहाद और खिलाफत से जुड़े बयान भी पोस्ट करता था। जफर जैश-ए-मोहम्मद के इस जेहादी ग्रुप से जुड़ा और पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में आया। उसने हैंडलर से जेहाद में मदद करने की पेशकश भी की थी।

कानपुर लखनऊ एक्सप्रेस-वे के बाद गंगा एक्सप्रेसवे धंसा

उन्नाव के सोनिक के पास मरम्मत शुरू, सपा ने सरकार पर साधा निशाना

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर सड़क धंसने का मामला सामने आया है। सोनिक के पास किलोमीटर संख्या 421 पर मेरठ से प्रयागराज जाने वाली लेन करीब 10 मीटर की लंबाई में धंस गई। इस घटना के बाद एक्सप्रेसवे की निर्माण कंपनी ने मौके पर मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। सड़क का एक बड़ा हिस्सा अचानक धंसने से एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता और निर्माण कार्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही निर्माण कंपनी की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत शुरू कर दी। हालांकि, सड़क धंसने के कारणों की स्पष्ट जानकारी अभी सामने नहीं आई है। गंगा एक्सप्रेसवे लगभग 594



किलोमीटर लंबा है और इसे मेरठ से प्रयागराज तक बनाया गया है। इसका उद्घाटन 29 अप्रैल को किया गया था। इतने महत्वपूर्ण एक्सप्रेसवे पर उद्घाटन के कुछ समय बाद ही सड़क धंसने की घटना से निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इससे पहले कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भी सड़क धंसने की घटनाएं सामने आई थीं। इस मामले को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के सोशल मीडिया सेल ने एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट कर

प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। सपा ने लिखा कि ₹धंसते एक्सप्रेसवे की कतार में एक और एक्सप्रेसवे जुड़ गया है। पार्टी ने दावा किया कि गंगा एक्सप्रेसवे उन्नाव और अमरोहा में धंस गया है। सपा ने आरोप लगाया कि जनता की गाढ़ी कमाई के लाखों करोड़ रुपये खर्च करके बनाए गए एक्सप्रेसवे धंसते जा रहे हैं, जो भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में भ्रष्टाचार की कहानी कह रहे हैं।

सपा ने सरकार पर प्रदेश को लूटने और जनता के पैसे का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों की जान की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। हालांकि, सपा के इन राजनीतिक आरोपों पर सरकार या संबंधित निर्माण कंपनी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सम्पादकीय

वंदे मातरम् पर विवाद



स्वतंत्रता दिवस समारोह पर अपने मुख्यालय में संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन को लेकर जो विवाद पैदा हुआ, उसके लिए कांग्रेस अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती। कांग्रेस कुछ भी सफाई दे, यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि उसे वंदे मातरम् के संपूर्ण गायन की नई परिपाटी रास नहीं आई।

गत दिवस गृह मंत्री अमित शाह ने जिस तरह सोनिया गांधी की ओर से कथित तौर पर वंदे मातरम् के गायन को रोके जाने पर कांग्रेस से माफी की मांग की, उससे यही लगता है कि कांग्रेस ने जाने-अनजाने भाजपा के हाथ में एक मुद्दा थमा दिया। यह विवाद आसानी से थमने वाला नहीं, इसका संकेत इससे भी मिलता है कि बंकिम चंद्र के वंशज ने भी सोनिया गांधी से माफी की मांग कर दी।

वंदे मातरम् को लेकर कोई पहली बार विवाद नहीं खड़ा हुआ। इस राष्ट्रीय गीत को लेकर रह-रहकर विवाद का विषय बनाने की कोशिश होती ही रही है। हाल में जब वंदे मातरम् के डेढ़ सौ साल पूरे होने पर मोदी सरकार ने उसके सभी छंद गाए जाने को अनिवार्य बनाया तब भी कांग्रेस ने उस पर आपत्ति जताई थी। इसके उपरांत जब राष्ट्रगान जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम् को कानूनी संरक्षण देने संबंधी विधेयक पर संसद में चर्चा हुई तब भी कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने उसमें भाग लेने से इन्कार किया।

15 अगस्त के समारोह में केरल सरकार ने वंदे मातरम् के संपूर्ण गायन से इन्कार करके इस विवाद की जो शुरुआत की, उसे कांग्रेस मुख्यालय में हुए घटनाक्रम ने पूरा कर दिया। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर आयोजित समारोह में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने हिस्सा लेने से किनारा किया। उन्होंने ऐसा दूसरी बार किया।

यह समझ आता है कि कांग्रेस को मोदी सरकार की रीति-नीति पसंद नहीं, लेकिन सरकार की रीति-नीति और राष्ट्रीय प्रतीकों में अंतर होता है। कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों की ओर से प्रायः इस अंतर को भुला दिया जाता है। इससे राष्ट्रीय प्रतीकों के साथ-साथ राष्ट्रीयता की भावना का भी अनादर होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस कांग्रेस ने स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया और जिसने अपने अधिवेशनों में वंदे मातरम् के गायन की परंपरा प्रारंभ की, वही उसे यथोचित सम्मान देने के लिए तैयार नहीं दिख रही है।

मुस्लिम लीग के विरोध के बाद वंदे मातरम् के संपूर्ण गायन की जगह उसके दो छंद ही गाने की परंपरा शुरू हुई थी, लेकिन अब इस परंपरा को बदल कर वंदे मातरम् के सभी छंद गाए जाने का नियम बनाने पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यह आपत्ति किसी न किसी स्तर पर मुस्लिम लीग वाली मानसिकता को पोषण देने वाली ही है।

अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से आतंकवाद तक पाक का यथार्थ





66

22 अप्रैल 2025 के हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत सरकार ने इसे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध लक्षित और नियंत्रित कार्रवाई बताया। यह परिवर्तन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया गया हालिया बयान केवल एक जहरीली एवं कड़वी राजनीतिक टिप्पणी ही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की उस मानसिकता का आईना है, जिसमें भारत के प्रति कटुता, अविश्वास, नफरत और वैचारिक विरोध आज भी गहरे पैठे हुए हैं। जरदारी ने 'अखंड भारत' की अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय इसमें विश्वास करते हैं, लेकिन वे मुसलमान होने के नाते इससे सहमत नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान में हिंदुओं के सुरक्षित और सुखी होने का दावा भी किया। सवाल यह है कि दुनिया किसी राष्ट्राध्यक्ष के दावे पर विश्वास करे या आंकड़ों और जमीन पर दिखाई देने वाली वास्तविकता पर? इतिहास का न्याय भावनाओं से नहीं, तथ्यों से होता है। और पाकिस्तान के संदर्भ में जनसांख्यिकी, अल्पसंख्यकों की स्थिति, धार्मिक स्वतंत्रता और आतंकवाद-ये चारों क्षेत्र ऐसे आईने हैं जिनमें उसकी अपनी तस्वीर साफ दिखाई देती है।

1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। कुल आबादी 240.46 मिलियन है। इन दोनों श्रेणियों को जोड़ें तो हिस्सा लगभग 2.17 प्रतिशत बैठता है। अर्थात आज के पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की जनसंख्या हिस्सेदारी अत्यंत सीमित रह गई है। इसके विपरीत भारत की स्थिति को भी तथ्यों के साथ ही देखना चाहिए। भारत की अंतिम प्रकाशित पूर्ण जनगणना 2011 की है। उसमें मुस्लिम आबादी 14.23 प्रतिशत, यानी 17.22 करोड़ दर्ज हुई थी। यही वह बिंदु है जहां भारत और पाकिस्तान के बीच वास्तविक अंतर सामने आता है। भारत ने धर्म के आधार पर नागरिकता की अवधारणा को राज्य की नागरिकता का आधार नहीं बनाया। संविधान ने हर नागरिक को समान नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अपनी आस्था के पालन की स्वतंत्रता दी। भारत में मुसलमानों ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, न्यायपालिका, सेना, शिक्षा, उद्योग, कला, खेल और प्रशासन सहित जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। इसके विपरीत पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की रिपोर्टें गंभीर प्रश्न उठाती हैं। ह्यूमन राइटस वाच की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा, मनमानी गिरफ्तारी और सामाजिक दबाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। रिपोर्ट में हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और जबरन विवाह-धर्मांतरण जैसी समस्याओं का उल्लेख है। 2023 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के जरनवाला में ईशनिंदा के आरोपों के बाद चर्चों और ईसाई घरों पर भीड़ के हमले हुए। ह्यूमन राइटस वाच ने पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के इस्तेमाल से अल्पसंख्यकों की संपत्ति पर कब्जे और उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने के मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया है। ऐसे में जरदारी का यह कहना कि पाकिस्तान के हिंदू बहुत खुश हैं, एक झूठा, गुमराह करने वाला एवं भ्रामक राजनीतिक दावा तो हो सकता है, लेकिन उसे व्यापक तथ्यात्मक प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। किसी देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं या नहीं, इसका प्रमाण केवल राष्ट्राध्यक्ष का बयान नहीं, बल्कि उनके नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा, कानून के सामने समानता तथा भयमुक्त जीवन है। भारत में सरकारों के खिलाफ मुसलमानों एवं अन्य अल्पसंख्यकों के द्वारा आवाज उठाई जा सकती है, न्यायालयों में चुनौती दी जा सकती है। यही लोकतांत्रिक भारत और धार्मिक-सामुदायिक असुरक्षा से जूझते पाकिस्तान के बीच बुनियादी अंतर है। दूसरा बड़ा प्रश्न पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकवाद का है। पिछले कई दशकों में सीमा पार आतंकवाद भारत की सुरक्षा के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में रहा है। संसद पर हमला, मुंबई हमले, पठानकोट, उरी, पुलवामा और जम्मू-कश्मीर में लगातार हिंसक घटनाएं इस समस्या का हिस्सा रही हैं। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने उस समय स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध कार्रवाई की गई क्योंकि पाकिस्तान उन्हें नष्ट करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा था। 2025 में पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सुरक्षा नीति में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत दिया। भारत ने आतंकवाद के साथ-साथ उसके वित्तीय और नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने विदेशी तत्वों द्वारा नशीले पदार्थों को सीमा पार भेजकर 'नार्को-टेरर' को वित्त उपलब्ध कराने की बात कही है। यहां भारत की चुनौती केवल सीमा पर बंदूक लेकर खड़े आतंकवादी से नहीं है। चुनौती उस पूरे तंत्र से है जिसमें आतंकवाद, हथियार, ड्रोन, नशीले पदार्थ, फर्जी सूचनाएं और सामाजिक विभाजन-सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने पाकिस्तान को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद और बातचीत को समानांतर रास्तों पर नहीं चलाया जा सकता। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट कार्रवाई और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इनके पीछे एक समान संदेश दिखाई देता है-भारत अब आतंकवाद को केवल सहने या निंदा करने तक सीमित नहीं रहेगा।

ललित गर्ग

ऐसा करके सरकार...

डा. रमेश ठाकुर

भारत में पाकिस्तानियों को मिली नागरिकता?



किसी पाकिस्तानी को आज के दौर में हिंदुस्तान में बसाना, उन्हें पनाह देना या फिर नागरिकता देनी वाली बात, शायद ही किसी के गले उतरे? बसाना तो दूर, ऐसा सोचना मात्र भी, सूरज का पूरब की जगह पश्चिम से निकलने जैसा माना जाएगा पर, यह कोरी कल्पना पिछले दिनों हकीकत में तब्दील हुई। भारत में 56 साल पहले आए पाकिस्तानियों को नागरिकता दी गई है। वह भी एकाध लोगों को नहीं बल्कि हजारों को। सरकार ने पिछले महीने बकायदा एक रंगारंग कार्यक्रम कर, ढोल-नगाड़े बजाकर विस्थापित पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रमाण पत्र बांटे। ताज्जुब यह भी है कि ऐसा चमत्कार हुकूमत ने ऐसे माहौल में किया, जब समूचे भारत में विभिन्न देशों के घुसपैठियों को निकालकर उन्हें खदेड़ने का अभियान केंद्रीय व राज्य स्तरों पर छिड़ा हो। इस अभियान की बानगी हमने हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान भी देखा जब दो बार्डर राज्य, असम और पश्चिम बंगाल, का चुनाव इसी मसले के इर्दगिर्द घूमा। घुसपैठियों के अलावा भारत में कुछ वर्षों से एनआरसी और सीएए का भी शोर है। बावजूद इसके सरकार ने पाकिस्तानियों को नागरिकता देने का बड़ा जोखिम उठाया। सरकार ने यह कदम क्यों उठाया? हालांकि, इस फैसले के सियासी मायने बहुतेरे हैं, जिसकी तस्वीर आने वाले दिनों में दिखाई भी देगी। सरकार ने विस्थापितों को नागरिकता हिंदुस्तान के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में दी है। जिले का नाम है पीलीभीत जो नेपाल बॉर्डर से एकदम सटा हुआ है जिसकी पहचान बांसुरी निमार्ण के अलावा तराई क्षेत्र के लिए भी प्रसिद्ध है। पीलीभीत को मिनी पंजाब भी कहते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज, जैव-विविधता के अलावा विश्व प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व तो है ही, धान की पैदावार के लिए भी जिला पूरे प्रदेश में विख्यात है। सरकार ने जिन परिवारों को बसाने का फैसला किया है उनमें बंगाली हिन्दू, बौद्ध, जैन और सिख शामिल हैं। भारत के नक्शे में देखें, तो पीलीभीत हिंदुस्तान के एक अलहदे छोर पर बसा है जहां करीब पांच दशक से भी ज्यादा पहले पाकिस्तान से आए विस्थापित लोग बस गए थे। तभी, से वह विभिन्न सरकारों से नागरिकता मांगते आए हैं। सरकारी कागजों के मुताबिक पूर्वी पाकिस्तान से वर्ष 1959 से 1971 के बीच पाकिस्तान से पीड़ित होकर कुछेक परिवार भारत आए थे। शुरूआत में यह परिवार कई राज्यों में भटकते रहे, कहीं ठिकाना नहीं मिला। आखिरकार उन्हें बाद में यही जिला मुफीद लगा। पीलीभीत के अलावा कुछ नागरिकता रामपुर और बिजनौर में बसे विस्थापितों को भी दी गई है। पीलीभीत के जिस क्षेत्र में यह परिवार रहते आए हैं वह जगह कभी जोखिम होती थी। इन लोगों ने इसे रहने लायक बनाया और उबड़ खाबड़ जगहों पर मेहनत करके उसे खेतीबाड़ी के लिए तैयार किया। आज इस क्षेत्र में अच्छी फसलें उगती हैं। सभी के पास कागजी दस्तावेजों के रूप में भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि पहले से मौजूद हैं। साथ ही लंबे वक्त से मतदान भी करते आए हैं लेकिन नागरिकता और मालिकाना हक से वंचित थे जिसे मौजूदा योगी सरकार ने पूरा कर दिया। ये परिवार पीलीभीत जिले के अमरिया, न्यूरिया, शारदा डैम की तलहटी सहित आसपास के क्षेत्रों में बसे हैं। सरकार ने उन्हें खेती और आवास के लिए जमीन तो पहले से दी हुई हैं लेकिन मालिकाना हैसियत नहीं दी, जिसके लिए यह लोग दशकों जद्दोजहद कर रहे थे। प्रत्येक चुनावों में इनसे झूठा आश्वासन हुआ। पूर्ववर्ती बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने भी इनको नागरिकता दिलवाने का दिलासा दिया पर, कुछ राजनैतिक अड़चनों के चलते वादा पूरा नही कर पाए। बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं । नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई हैं जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपार है। ऐसा करके सरकार ने शायद विपक्षी दलों को बड़ा सियासी मुद्दा बैठे-बिठाए थमा दिया है। ये लोग वर्ष 1960 से 1975 के बीच धार्मिक प्रताड़ना के चलते पूर्वी बंगालादेश जो अब पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा है, से भारत आए थे और उत्तर प्रदेश के तराई के जिले पीलीभीत में आकर बसे। ये क्षेत्र पीलीभीत जिले की कलीनगर व पूरनपुर तहसीलों में आते हैं जहां ये करीब 25-26 गांवों में बसे हैं। पिछले महीने 29 जून को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिले में दौरा हुआ जिसमें मुख्यमंत्री ने इनको ना सिर्फ नागरिकता के प्रमाण पत्र बांटे, बल्कि मालिकाना हक के सरकारी कागज भी दिए।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से मत्स्य पालन को नई दिशा

उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन भी किसानों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनता जा रहा है। तालाब, जलाशय और अन्य जल संसाधनों की उपलब्धता को देखते हुए प्रदेश में मत्स्य पालन के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। यदि आधुनिक तकनीक, बेहतर मत्स्य बीज, वैज्ञानिक प्रबंधन और बाजार की सुविधाएं उपलब्ध हों तो मत्स्य पालन ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी और लाभकारी व्यवसाय का रूप ले सकता है। इसी उद्देश्य से केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है। योजना के अंतर्गत लाभार्थीपरक और अलाभार्थीपरक दोनों प्रकार की परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ मत्स्य पालकों को आधुनिक तकनीक, आधारभूत सुविधाएं और बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है।

इनलैंड सेक्टर में बढ़ा आधुनिक मत्स्य पालन का दायरा

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत इनलैंड सेक्टर में 31 परियोजनाओं का संचालन किया गया है। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में मत्स्य पालन से जुड़े आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ किसानों और मत्स्य पालकों को आधुनिक उत्पादन प्रणालियों से जोड़ा जा रहा है। इस योजना के तहत लगभग 2,763 हेक्टेयर क्षेत्र में तालाब निर्माण कराया गया है। इसके अलावा 482 हेक्टेयर में रियरिंग इकाइयां, 1,306 बायोफ्लॉक इकाइयां तथा 84 मत्स्य बीज हैचरियां स्थापित की गई हैं। इन आधुनिक तकनीकों के माध्यम से सीमित क्षेत्र और जल संसाधनों में भी अधिक मत्स्य उत्पादन की संभावनाएं बढ़ी हैं।

आधुनिक तकनीक से बढ़ रही उत्पादन क्षमता

मत्स्य पालन को वैज्ञानिक और तकनीकी आधार देने के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 1,304 आरएएस इकाइयों तथा 5,151 बैकयार्ड आरएएस इकाइयों से संबंधित कार्य कराए जा रहे हैं। आरएएस जैसी आधुनिक तकनीक में पानी का पुनर्चक्रण कर कम जल में मत्स्य पालन किया जा सकता है। इससे जल की बचत के साथ उत्पादन क्षमता बढ़ाने में भी सहायता मिलती है। इसी प्रकार बायोफ्लॉक तकनीक कम स्थान और सीमित जल संसाधनों में मत्स्य उत्पादन के लिए उपयोगी साबित हो रही है। इन तकनीकों के विस्तार से युवा किसान और नए उद्यमी भी मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं। मत्स्य उत्पादों को बाजार तक सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से पहुंचाना मत्स्य पालन की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए योजना के तहत 66 इंसुलेटेड व्हीकल, 550 मोटरसाइकिल, 144 थ्री-व्हीलर तथा 2,727 साइकिल जैसी परिवहन सुविधाओं से संबंधित कार्य कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही 181 जिंदा मछली विक्रय केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं। इन सुविधाओं से मत्स्य पालकों को अपने उत्पादों के विपणन में सहायता मिलेगी और उपभोक्ताओं तक ताजी मछली पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत होगी।

फीड मिल और मोबाइल लैब से मजबूत होगी व्यवस्था

मत्स्य पालन में गुणवत्तापूर्ण आहार और वैज्ञानिक जांच की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। योजना के तहत 235 फीड मिल तथा 09 मोबाइल लैब से संबंधित कार्य भी कराए जा रहे हैं। इससे मत्स्य पालकों को बेहतर गुणवत्ता वाले फीड की उपलब्धता तथा मत्स्य स्वास्थ्य और जल गुणवत्ता की जांच जैसी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

इसी कारण हैं वे महान

मुझे आचार्य भिक्षु के समय की एक बात याद आ गयी किसी ने आचार्य भिक्षु को देख कर कहा की आपका मुँह जो देखगा वो नरक में जायेगा इस बात को आचार्य भिक्षु ने सरल ,शांत मन से लिया और बोले की मेरा मुँह देखने वाला तुम्हारे हिसाब से नरक में जायेगा और तुम्हारा मुँह देखने वाला कहाँ जायेगा । तो उसने कहा की वह स्वर्ग में जायेगा तो आचार्य भिक्षु ने कहा की तुम्हारे हिसाब से तो मेरा स्वर्ग का आरक्षण पक्का हो गया परन्तु हम इस पर यक़ीन नहीं करते हैं हमारी मान्यता हैं की मानव अपने कर्म के अनुसार स्वर्ग व नरक को प्राप्त करता हैं ।आचार्य भिक्षु के समय की यह घटना हमें यह दिखलाती हैं की वो महान ऐसे ही नहीं थे वो अपने गुणो के कारण महान थे । कबीर दास जी कहते हैं की जब मैं इस संसार में बुराई खोजने चला तो मुझे कोई भी बुरा न मिला, जब मैंने अपने मन में झाँक कर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई नहीं है। कबीर दास जी के यह भाव उनकी महानता को दर्शाते हैं । चली जा रहीं हैं उम्र धीरे- धीरे ।पल - पल वो आठों प्रहर धीरे- धीरे । बचपन भी जायें ओ जवानी भी जायें अब बुढ़ापे का होगा असर धीरे - धीरे । छोटी सीं जिन्दग़ानी चार दिन कीं जवानी कोई ना समझेगा - तेरी जीवन कहानी ,मन के हों भीतर उतर धीरे धीरे । तेरे हाथ पाँवों में बल ना रहेगा ,अब झुकेंगीं तुम्हारी कमर धीरे धीरे ।शिथिल अंग होंगे एक दिन तुम्हारे ,फिर मंद होंगी तेरी नज़र धीरे धीरे ।बुराई से मन को तूँ अपने हटा लें बन जायें तेरा जीवन धीरे धीरे ।भजन कर हरि का तूँ पल पल ओ प्यारे ,मिल जायेगा बो सज्जन धीरे धीरे । स्पष्ट है यह सारा वृतांत हमारी दृष्टि का है ।गलतियाँ ढूँढती हैं हमारी नजरें दूसरों में इसके विपरीत गलतियाँ भरी हों ख़ुद में तो भी नज़र नहीं आती कभी भी अपनों में या स्वयं में ।सब जानते हैं और कहते ही रहते हैं की इन्सान गलतियों के पुतले हैं तो फिर स्वयं के प्रिय ख़ुद कैसे दूध के धुले हैं ? इससे स्पष्ट है की हम पहनेंगे जैसे रंग का चश्मा, दिखेगा वैसा ही बाहर का हमें शमा। एक और सटीक उदाहरण जो ज़्यादातर व्यवहार में होता हैं कि यदि किसी अपने से हो गई अनबन तो जो कल तक भरे थे उसमें गुण ही गुण,दीखने लगेंगे आज वो ही परिवर्तित हो कर अवगुण ही अवगुण।आदमी वही, आप भी वही ,पर नजर बदल गई।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

कार्यशील पूंजी की...

डॉ0 सीमा गुप्ता

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से संवर रहा प्रदेश के युवाओं का भविष्य

प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से संचालित महत्वाकांक्षी योजनाएं जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम दे रही हैं। राज्य के शिक्षित, कुशल और ऊर्जावान युवाओं को रोजगार प्रदाता बनाने के संकल्प के साथ शुरू की गई योजनाएं आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य में व्यापक बदलाव ला रही हैं। सूक्ष्म उद्यमों का सशक्त नेटवर्क तैयार कर राज्य को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में इन पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित हो रही है।

जनपद फिरोजाबाद में शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन युवाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। विपरीत परिस्थितियों और संसाधनों के अभाव से जूझ रहे कर्मठ युवाओं को जब प्रशासनिक व्यवस्था और वित्तीय योजनाओं का सहारा मिलता है, तो वे न केवल अपने पैरों पर खड़े होते हैं बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा बनते हैं। जनपद फिरोजाबाद के युवा उद्यमी मनीष कुमार की संघर्ष और सफलता की यात्रा इसी बदलाव की एक मिसाल है।

अल्पायु में ही माता-पिता का साया सिर से उठ जाने और पारिवारिक संबल समाप्त हो जाने के बाद मनीष कुमार के समक्ष आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया था। पारिवारिक जिम्मेदारियों और आर्थिक अभावों के बीच उन्होंने हार मानने के बजाय अपनी पैतृक भूमि पर एक छोटे स्तर का भोजनालय आरंभ करने का निर्णय लिया। प्रारंभिक दौर में पूंजी और आवश्यक उपकरणों के अभाव के कारण व्यवसाय को गति देना अत्यंत कठिन था। संसाधनों के अभाव के कारण मनीष को दैनिक उपयोग की सामग्री और राशन की खरीद सीमित रखनी पड़ती थी, जिससे लागत अधिक आती थी। फ्रीजर की समुचित व्यवस्था न होने से खाद्य पदार्थों के संरक्षण में निरंतर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इससे न केवल आर्थिक नुकसान होता था, बल्कि ग्राहकों को अपेक्षित सुविधाएं प्रदान करना भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ था। कठिन परिस्थितियों के बीच प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से प्राप्त सहायता मनीष के व्यवसाय के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और वित्तीय तंत्र के सहयोग से मनीष को प्रथम चरण के अंतर्गत पांच लाख रुपये की ब्याज मुक्त वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई। इस पूंजीगत सहयोग ने मनीष के लिए भोजनालय के संचालन और स्वरूप में व्यापक सुधार का मार्ग प्रशस्त किया।

स्वीकृत ऋण राशि से मनीष ने आधुनिक फ्रीजर उपकरण क्रय किए, जिससे दुग्ध उत्पादों और अन्य शीघ्र खराब होने वाली सामग्रियों का सुरक्षित भंडारण संभव हो सका। इसके साथ ही भोजनालय में आधुनिक फर्नीचर, उत्तम बैठने की व्यवस्था और स्वच्छ बर्तनों की समुचित व्यवस्था की गई। इस आधुनिकीकरण से भोजनालय का परिवेश अधिक व्यवस्थित और ग्राहक-अनुकूल बन गया।

कार्यशील पूंजी की उपलब्धता से मनीष को दैनिक आधार पर सामग्री क्रय करने की बाध्यता से मुक्ति मिली। अब वे खाद्य सामग्री और राशन का थोक क्रय करने में सक्षम हैं, जिससे परिचालन लागत में उल्लेखनीय कमी आई है और समय की भी बचत हो रही है। इस आर्थिक संबल ने उनके उद्यम को स्थिरता प्रदान करते हुए लाभप्रदता में ठोस वृद्धि की है।

आज मनीष का यह उद्यम सुचारू और व्यवस्थित रूप से संचालित हो रहा है। वे न केवल सम्मानजनक आजीविका अर्जित कर रहे हैं, बल्कि जनपद के अन्य युवाओं को भी स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रदेश में मनीष जैसे हजारों युवक अब तक इस योजना का लाभ प्राप्त कर चुके हैं।

राज्य स्तर पर संचालित यह योजना आगामी एक दशक में 10 लाख नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित कर युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। इसके तहत प्रतिवर्ष एक लाख सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वरोजगार के व्यापक अवसर सृजित कर स्थानीय स्तर पर आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दिया जा रहा है। योजना का वित्तीय ढांचा पूर्णतः पारदर्शी और युवा-अनुकूल बनाया गया है। प्रथम चरण में उद्योग और सेवा क्षेत्र में नवीन सूक्ष्म इकाई की स्थापना हेतु पांच लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर शत-प्रतिशत ब्याज मुक्त ऋण की व्यवस्था है। इस चरण के ऋण पर प्रदेश सरकार द्वारा चार वर्षों तक पूर्ण ब्याज अनुदान वहन किया जाता है।

युवा उद्यमियों को वित्तीय बाधाओं से मुक्त रखने के उद्देश्य से किसी भी प्रकार की बैंक गारंटी या बंधक की बाध्यता को समाप्त किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित ऋण गारंटी निधि के माध्यम से सुरक्षा तंत्र सुनिश्चित किया गया है, जिससे बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे पात्र युवाओं को सुगमता से पूंजी उपलब्ध हो रही है।

योजना के अंतर्गत चरणबद्ध विकास का मॉडल लागू किया गया है। प्रथम चरण के ऋण का समयबद्ध और सफल पुनर्भुगतान करने वाले उद्यमियों को व्यवसाय विस्तार एवं आधुनिकीकरण हेतु द्वितीय चरण में 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। इस चरण में भी तीन वर्षों के लिए ब्याज पर 50 प्रतिशत तक का शासकीय अनुदान प्रदान किया जाता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था और वित्तीय शुचिता को बढ़ावा देने के लिए व्यापार में डिजिटल लेन-देन को योजना से जोड़ा गया है। डिजिटल माध्यमों से किए जाने वाले भुगतानों पर विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान है, जिससे सूक्ष्म उद्यमी आधुनिक वित्तीय प्रणालियों को सहजता से अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। पात्रता के मानकों को अत्यंत समावेशी रखते हुए 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के न्यूनतम आठवीं उत्तीर्ण मूल निवासियों को योजना के दायरे में लाया गया है। तकनीकी एवं व्यावहारिक दक्षता को प्राथमिकता देते हुए राजकीय अथवा मान्यता प्राप्त संस्थानों से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों को चयन में विशेष वरीयता दी जा रही है। आवेदन की प्रक्रिया से लेकर स्वीकृति और ऋण वितरण तक के सभी चरणों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पूर्णतः पेपरलेस और पारदर्शी बनाया गया है।

प्रयागराज के घरों में 3-3 फीट पानी भरा

एनडीआरएफ ने नावों से लोगों को रेस्क्यू किया, 25 शहरों में बारिश, 75 में अलर्ट

बेहाल

तमसा संकेत, एजेंसी

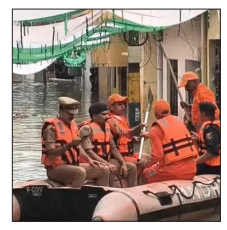
लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। मानसून ने फिर से पूरे यूपी को कवर कर लिया है। सोमवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज समेत 25 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। आसमान में काले बादल छाए होने की वजह से सुबह भी अंधेरा छाया रहा। प्रयागराज में देर रात से हो रही बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। करेली इलाके की कॉलोनियों और गलियों में 3-4 फीट तक पानी भर गया है। कारें और बाइकें डूब गई हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। पुलिस और NDRF की टीम लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर



पहुंचा रही है। लखनऊ में 6 घंटे से रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश की वजह से कई इलाकों में सड़कें और गलियां जलमग्न हो गई हैं। यहां रविवार को इस सीजन में एक दिन में सबसे ज्यादा 40.9 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। सीतापुर, हरदोई और रायबरेली में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। इधर, यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। कानपुर-उन्नाव में गंगा किनारे बसे इलाके जलमग्न हो गए हैं। 500 से ज्यादा घरों में पानी घुस गया है। सड़कों और गलियों में नावें चल रही हैं। लोग छतों पर जिंदगी काटने को मजबूर हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी और बरदहा नदी का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। रामघाट की सीढ़ियां डूब गई हैं।

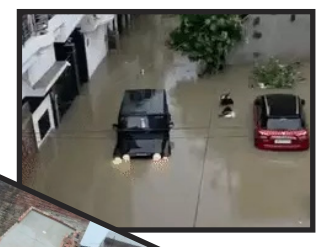
वाराणसी में घाट के किनारे बने 100 से अधिक छोटे मंदिरों में पानी घुस गया है। रत्नेश्वर महादेव और ब्रह्मेश्वर महादेव मंदिर 70% तक डूब गए हैं।

हालांकि, इसके प्रभाव से उत्तर भारत में मानसून एक बार फिर मजबूत होता जाएगा। इसका असर उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। अच्छी बारिश हो रही है। अगले 3 दिन मौसम ऐसा ही रहेगा।



बाराबंकी में बारिश में कच्ची दीवार गिरने से महिला की मौत

बाराबंकी के देवा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में सोमवार को भारी बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से 68 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसे में महिला दीवार के मलबे की चपेट में आ गईं। मृतका की पहचान राजेश्वरी पत्नी परमेश्वर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बारिश के दौरान अचानक कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आनन-फानन में मलबा हटाकर राजेश्वरी को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।





लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार- उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र झारखंड और उत्तरी छत्तीसगढ़ के ऊपर से गुजर रहा है। जैसे-जैसे यह आगे बढ़ रहा है, कमजोर पड़ता जा रहा है।

इटावा में मां-बेटी की गला रेतकर हत्या

घर में मिले लहूलुहान शव, दूधिया पहुंचा तो खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। यूपी के इटावा में मां-बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह 8 बजे घटना का खुलासा तब हुआ, जब दूध वाला घर में दूध देने पहुंचा। उसने काफी देर गेट खटखटाया पर दरवाजा नहीं खुला। दूधवाले ने महिला के नोएडा में कार्यरत पति को फोन किया। घर के पिछले हिस्से में जाकर अंदर झांका तो देखा कि मां पुष्पा देवी यादव (55) का शव आंगन में फर्श पर पड़ा है। बेटी निर्मला देवी उर्फ मंजू देवी (38) का शव 10 मीटर दूर कमरे में चारपाई पर था। चारपाई पर खून से सनी दराती पड़ी थी। मां निर्मला के शव को कमरे से घसीटकर आंगन तक लाया गया था। कमरे से आंगन तक खून की धार फैली मिली। बेटी निर्मला का ससुराल से 5 साल से विवाद चल रहा था। शादी के 4 महीने



बाद ही पति और देवरों ने पीटकर मायके भेज दिया था। तब से मां के साथ ही रह रही थी। तलाक का केस भी चल रहा था। 3 अगस्त 2026 को ही कोर्ट ने पति को 7 हजार रुपए प्रति महीना भरण-पोषण भत्ता देने का आदेश दिया था। पड़ोसियों ने बताया- 14 और 15 अगस्त को एक युवक को स्कूटी से आते-जाते देखा था। 15 अगस्त के बाद से घर में कोई हलचल नहीं थी। आशंका है कि निर्मला के ससुराल वालों ने ही डबल मर्डर को अंजाम दिया।

फास्ट न्यूज

बीजेपी जिला पंचायत सदस्य के खिलाफ एफआईआर

मुरादाबाद। मुरादाबाद में महिला ग्राम पंचायत सचिव ने भाजपा के जिला पंचायत सदस्य अजयवीर यादव, ग्राम प्रधान समेत 4 लोगों पर छेड़खानी और सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूंढापांडे थाना क्षेत्र के एक गांव की ग्राम पंचायत सचिव के मुताबिक वह कार्यालय में बैठकर काम कर रही थीं।

चीनी मांझे से युवक की गर्दन कटी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में प्रतिबंधित चीनी मांझे का कहर सामने आया है। पुराने लखनऊ के मोहम्मद असद इसकी चपेट में आकर घायल हो गए। चीनी मांझा उनकी गर्दन में फंस गया, जिससे गहरा कट लग गया। हादसे के बाद असद को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने इलाज किया, उनकी हालत में सुधार होने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। चीनी मांझे पर प्रतिबंध के बावजूद इसके इस्तेमाल से लगातार हादसे सामने आ रहे हैं। यह मांझा बेहद धारदार होने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

भाकियू ने नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

मुरादाबाद। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने शनिवार को ठाकुरद्वारा में संपूर्ण समाधान दिवस पर एक अधिकारी को नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। यूनियन ने भारत सरकार द्वारा अमेरिका के साथ की जा रही ट्रेड डील का विरोध किया। उन्होंने मांग की कि इस ट्रेड डील को तुरंत निरस्त किया जाए। अन्य मांगों में रामनगर खागुवाला में विजेंद्र सिंह के खेत में देखे गए तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगवाने की मांग शामिल थी।

जनपद की पांचो तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 260 प्रकरण प्राप्त हुए

34 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर किया गया



तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। जनपद लखनऊ की पांचों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किये गये । सम्पूर्ण समाधान दिवसो में तहसील सदर में 39 में से 04 प्रकरण का निस्तारण प्रकरण, तहसील मलिहाबाद में 26 में से 02 प्रकरण का निस्तारण, तहसील बी0के0टी0 में 56 में से 10 प्रकरण का निस्तारण, तहसील मोहनलालगंज में 104 में से 17 प्रकरण का निस्तारण तथा तहसील सरोजनीनगर में 35 में से 01 प्रकरण का निस्तारण मौके पर किया गया। शेष प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागों को प्रेषित किए गये। आज जनपद में पुलिस 35, राजस्व एवम पुलिस संयुक्त 01, राजस्व 147, विकास 19, शिक्षा 03, स्वास्थ्य 01, समाज कल्याण 05, नगर निगम 03 तथा अन्य 46 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए है।

गुदारा घाट पर डीसीपी के निरीक्षण के बाद हादसा, गोताखोर तलाश में जुटे

गंगा में डूबे दो मौसेरे भाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में गंगा नहाने गए दो मौसेरे भाई डूब गए। दोनों चेतावनी के लिए लगाई गई रस्सी पार करके गहरे पानी में चले गए और तेज बहाव में फंस गए। हादसे के वक्त उनका एक भाई वीडियो बना रहा था। इस दौरान दोनों भाई जब उसे नहीं दिखे तो वह शोर मचाने लगा। फिर सूचना पर गोताखोर और जल पुलिस पहुंची। अभी SDRF की टीम दोनों की तलाश कर रही है। हादसा बिठूर के गुदारा गंगा घाट पर सुबह 5 बजे की है। हादसे से पहले ही डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया था। सचेंडी थाना क्षेत्र के चकरपुर मंडी के रहने वाले अभिषेक सोनकर सोमवार तड़के करीब तीन बजे अपने चचेरे भाई आशिक सोनकर (16) और



"बिठूर थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया- दोनों युवक चेतावनी रस्सी को पार कर गहरे पानी में स्नान करने चले गए थे। इसी दौरान दोनों गंगा में डूब गए। जल पुलिस और गोताखोरों की टीम लगातार दोनों की तलाश कर रही है। तेज बहाव के कारण सर्च ऑपरेशन में परेशानी आ रही है।

मौसेरे भाई सतीश सोनकर (18) के साथ बाइक से गुदारा गंगा घाट पहुंचे थे। तीनों गंगा में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान आशिक और सतीश नहाते समय सुरक्षा के लिए लगाई गई चेतावनी रस्सी को पार कर गहरे पानी की ओर चले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रस्सी पार करने के कुछ ही देर बाद दोनों अचानक गहरे पानी में पहुंच गए और डूबने लगे। दोनों को डूबता देखकर साथ में घाट पर मौजूद अभिषेक ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई। घाट पर मौजूद गोताखोरों ने तत्काल गंगा में छलांग लगाकर उनकी तलाश शुरू कर दी, लेकिन तेज बहाव के कारण दोनों पानी में बहते चले गए। सावन के तीसरे सोमवार को गंगा घाटों पर भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे।



तेज बहाव बना तलाश में बाधा

गोताखोरों ने काफी देर तक गंगा में दोनों युवकों की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बिठूर पुलिस और जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से घाट के आसपास और गंगा के बहाव वाले क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। पानी का बहाव तेज होने के कारण तलाश अभियान में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही दोनों युवकों के परिजन भी गुदारा घाट पहुंच गए। युवकों के डूबने की खबर से परिवार में कोहराम मच गया।

घाटों पर पुलिस बल तैनात किया गया था और श्रद्धालुओं को गहरे पानी में न जाने की हिदायत दी जा रही थी।

जेन-अल्फा सड़कों पर, हाईवे जाम किया

बोले- स्कूल में टीचर नहीं, पढ़ें कैसे? 8 किमी पैदल चले, प्रमुख सचिव ने ढाई घंटे बात की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शिक्षकों की कमी को लेकर जेन-अल्फा एक बार फिर सड़कों पर उतर आया। सोमवार सुबह 7 बजे बारिश के बीच करीब 250 जेन-अल्फा छात्राएं दुबग्गा-कानपुर बाईपास चौराहे पर इकट्ठा हो गईं। सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। छात्राएं मोहान रोड स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय से ढाई किमी चलकर यहां तक पहुंचीं। 6वीं से 12वीं कक्षा तक के इस स्कूल को समाज कल्याण विभाग चलाता है।प्रदर्शन के दौरान बाईपास के चारों तरफ 2 से 3 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। यह जानकारी मिलते ही पुलिस एक्टिव हुई। 4 थानों और चौकियों से पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने करीब 2 घंटे तक छात्राओं को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे DM को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ी रहीं।



"स्कूल से बाहर निकलने पर प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया- बच्चों की बहुत बेसिक-सी मांगें हैं। सभी बच्चों से पर्सनल बात हुई है। फिजिक्स की टीचर मैटरनिटी लीव पर हैं। मैथ्स की टीचर अभी छुट्टी पर हैं। जल्द ही बच्चों को टीचर फुल लेंथ में मिल जाएंगे। स्कूल प्रशासन से संवाद की कमी के चलते आज ऐसा हुआ होगा। बच्चों ने दुर्भाग्य से ऐसा कर दिया। उन्होंने देखा होगा कि बगल के स्कूल के बच्चों ने ऐसा किया तो हम भी ऐसा करते हैं, जबकि ऐसी कोई बात नहीं थी। बच्चे बहुत अच्छे हैं। हमने जब उनकी सारी समस्याओं का समाधान बताया तो उन्होंने हमें भी विश्वास दिलाया कि अब ऐसा कभी नहीं करेंगे।"

'स्कूल में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के शिक्षक नहीं'

छात्राओं का कहना था कि उनके स्कूल में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के शिक्षक नहीं हैं। साल भर से बार-बार शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे उनकी पढ़ाई पूरी तरह ठप है। इंटरनेट की उचित व्यवस्था न होने के कारण वे ऑनलाइन क्लास भी नहीं ले पातीं। इसी साल कई छात्राओं की बोर्ड परीक्षा भी होनी है।





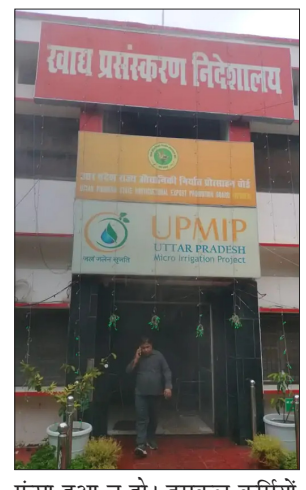
हजरतगंज में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में लगी आग

धुएं से भर गया पूरा भवन, दमकल की 2 गाड़ियां मौके पर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे हजरतगंज स्थित खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय भवन में आग लग गई। धुंआ उठता देख मौके पर हड़कंप मच गया। कंट्रोल रूम हजरतगंज को एआरओ-आईपी के जरिए सूचना दी गई। इसके बाद अग्निशमन केंद्र हजरतगंज से दो दमकल गाड़ियां तत्काल मौके के लिए रवाना किए गए।

दमकल कर्मियों के मौके पर पहुंचने पर भवन में ज्यादा धुआं भरा हुआ था। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल और अग्निशमन अधिकारी हजरतगंज के निर्देशन में टीम ने आग बुझाने के साथ ही भवन से धुआं बाहर निकालने का काम शुरू किया। इसके बाद पूरे भवन में सर्च अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया गया कि अंदर कोई व्यक्ति



फंसा हुआ न हो। दमकल कर्मियों के अथक प्रयास के बाद कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दमकल कर्मियों के अथक प्रयास के बाद कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया।

विरोध प्रदर्शन : लखनऊ में बोले- चवन्नी का जवाब 2027 में मिलेगा, जमकर की नारेबाजी

आरएलडी ने टोंटी चोर लिखकर फूंका अखिलेश यादव का पुतला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार दोपहर 1:35 बजे राष्ट्रीय लोक दल (RLD) के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला फूंका और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कहा चवन्नी शब्द का इस्तेमाल करना बेहद गलत है। इसका परिणाम उन्हें 2027 के चुनाव में देखने को मिलेगा। RLD कार्यकर्ता अचानक हजरतगंज चौराहे पर पहुंचे और करीब 20 मिनट तक प्रदर्शन किया। उनके साथ लाए गए पुतले पर तीन जगह टोंटी चोर लिखा हुआ था। कार्यकर्ताओं ने पुतला



फूंकते हुए कहा कि गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव का बयान बेहद शर्मनाक है। आरएलडी प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने कहा कि अखिलेश यादव ने हमारे नेता और पार्टी के खिलाफ बेहद अभद्र टिप्पणी की है। यह हमें बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं है। उनका बयान उनकी शिक्षा और संस्कार को प्रदर्शित करता है। वे यह भूल गए कि अगर चौधरी चरण सिंह का आशीर्वाद नहीं मिला होता तो आज नेताजी किसी लायक नहीं होते। आज जो लोग सत्ता का सुख भोग रहे हैं और मलाई चाट रहे हैं, यह चौधरी चरण सिंह की ही देन है। राजनीति में गठबंधन बनते और बिगड़ते रहते हैं, लेकिन हमारे नेता ने कभी किसी के खिलाफ गलत बयान नहीं दिया। अखिलेश यादव का बयान किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह और देश के सभी किसानों का अपमान है। 'चवन्नी' शब्द का इस्तेमाल करना बेहद गलत है। इसका परिणाम उन्हें 2027 के चुनाव में देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि नाम नहीं लिया गया, लेकिन राजनीति में कटाक्ष और इशारा काफी होता है।



- राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज चौराहे पर अखिलेश यादव का पुतला फूंका।
- कार्यकर्ता अखिलेश यादव का जो पुतला लाए उसपर टोंटी चोर लिखा हुआ था।

'भविष्य में सपा के साथ गठबंधन नहीं'

प्रदर्शन कर रहे अमर पांडे नगर ने कहा- हम लोगों ने टोंटी भैया उर्फ अखिलेश यादव का पुतला फूंका है। पिछले दो सालों से लगातार हमारी पार्टी को लेकर अनर्गल बयान बाजी कर रहे हैं। जिससे सभी कार्यकर्ता नाराज और आहत है। RLD वालों के सब्र का घड़ा भर गया था, इसलिए आज पुतला फूंका है। आगे कहा कि चौधरी चरण सिंह को मानने वाले गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक है।

योगी सरकार ने आलू किसानों के हित में उठाया बड़ा कदम

1000 करोड़ के भामाशाह भाव स्थिरता कोष से मिलेगा उचित मूल्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार ने आलू उत्पादक किसानों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तीन महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया है। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने उद्यान भवन, सप्रू मार्ग, लखनऊ में इन योजनाओं के सफल एवं पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए नव विकसित ऑनलाइन पोर्टल https://potato.uphorti-culture.in/ का शुभारंभ किया। मंत्री सिंह ने बताया कि आलू की उपज अधिक होने पर बाजार भाव में आने वाली गिरावट से किसानों को राहत देने के लिए 1000 करोड़



रुपये के भामाशाह भाव स्थिरता कोष की स्थापना की गई है, जिसके लिए 100 करोड़ रुपये की टोकन धनराशि का प्रावधान किया गया है। योजना के तहत कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा आलू की उत्पादन लागत निर्धारित की जाएगी। किसानों को निर्धारित उत्पादन लागत के 25 प्रतिशत अथवा उत्पादन लागत एवं बिक्री दर के अंतर में से जो राशि कम होगी, वह अनुदान के रूप में देय होगी। प्रति किसान अधिकतम 2 हेक्टेयर तथा प्रति हेक्टेयर अधिकतम 240 क्विंटल पर अनुदान अनुमन्य होगा। इससे लगभग 12 से 14 लाख किसान लाभान्वित होंगे। योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को केवल ऑनलाइन आवेदन करना होगा, ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पात्र किसानों को अनुदान की धनराशि आधार-सीडेड डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक खाते में अंतरित की जाएगी। क्रियान्वयन अवधि 01 जनवरी से 15 अप्रैल तथा 01 जुलाई से 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। लाभ के लिए क्रेता-विक्रेता सौदा प्रपत्र अनिवार्य होगा और किसान मंडी, उपमंडी, शीतगृह परिसर अथवा अपने प्रक्षेत्र पर बिक्री कर लाभ ले सकेंगे।

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com

बकरी के लालच में फंसा, अब तक 6 पकड़े गए, फिर भी ग्रामीणों में डर कायम

मुरादाबाद में छठा तेंदुआ पिंजड़े में कैद

कामयाबी

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। जिले के रामूवाला शेखू गांव में सोमवार सुबह वन विभाग को बड़ी कामयाबी मिली। लंबे समय से ग्रामीणों के बीच दहशत का कारण बने एक और तेंदुए को वन विभाग की टीम ने पिंजरे में कैद कर लिया। तेंदुआ पकड़े जाने की जानकारी मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जमा हो गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण पिंजरे में कैद तेंदुए को देखने के लिए मौके पर पहुंच गए। तेंदुए की लगातार मौजूदगी और हमलों की घटनाओं को देखते हुए वन विभाग की टीम पिछले काफी समय से इलाके में निगरानी और सर्च ऑपरेशन चला रही है।



66 ग्रामीणों का कहना है कि खेतों और आबादी के आसपास तेंदुओं की गतिविधियों के कारण लोगों में डर बना हुआ है। कई किसान तेंदुए के हमले की आशंका के चलते अकेले खेतों में जाने से बच रहे हैं। शाम के बाद ग्रामीण विशेष रूप से सतर्कता बरत रहे हैं।

तेंदुए के हमले में महिला की मौत, आठ किसान घायल

क्षेत्र में तेंदुओं के आतंक का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक तेंदुए के हमले में एक महिला की मौत हो चुकी है। इसके अलावा खेतों में काम करने के दौरान तेंदुओं के हमलों में आठ किसान गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि वन विभाग की टीम ने कई तेंदुओं को पकड़ लिया है, लेकिन ग्रामीणों को आशंका है कि इलाके में अभी भी अन्य तेंदुए मौजूद हो सकते हैं।

एक शावक समेत अब तक छह तेंदुए पकड़े गए

वन विभाग के अनुसार इलाके में तेंदुओं की लगातार निगरानी की जा रही है। अब तक अभियान के दौरान एक शावक समेत कुल छह तेंदुओं को पिंजरे में कैद किया जा चुका है। इसके बावजूद आसपास के गांवों में तेंदुओं को लेकर ग्रामीणों की चिंता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

बकरी को बनाया गया पिंजरे में शिकार

वन विभाग की टीम ने तेंदुए की गतिविधियों और उसके आने-जाने वाले रास्ते की पहचान करने के बाद रामूवाला शेखू गांव में एक मजबूत पिंजरा लगाया था। तेंदुए को पिंजरे की ओर आकर्षित करने के लिए उसके अंदर एक बकरी को बांधा गया था। सोमवार तड़के शिकार की तलाश में तेंदुआ पिंजरे के पास पहुंचा और बकरी को देखकर उसके अंदर दाखिल हो गया। जैसे ही तेंदुआ पिंजरे के भीतर पहुंचा, दरवाजा स्वतः बंद हो गया और वह अंदर कैद हो गया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए को सुरक्षित कब्जे में लिया।

हमले में महिला की मौत, 8 किसान घायल

इलाके में तेंदुओं के आतंक का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अब तक तेंदुए के हमले में एक महिला की मौत हो चुकी है। वहीं, खेतों में काम करने के दौरान तेंदुओं के हमलों में 8 किसान गंभीर रूप से घायल हुए हैं। लगातार तेंदुए पकड़े जाने के बावजूद ग्रामीण पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। वन विभाग ने इलाके में संभावित अन्य तेंदुओं को पकड़ने के लिए अभियान तेज कर दिया है। 50 से ज्यादा वनकर्मियों की विशेष टीम प्रभावित गांवों में लगातार गश्त कर रही है। टीम थर्मल कैमरों और पगमार्क के जरिए तेंदुओं की गतिविधियों पर नजर रख रही है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। इसके बाद उसे सुरक्षित प्राकृतिक आवास यानी आरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। इलाके में अन्य तेंदुओं की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन आगे भी जारी रहेगा।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम और एसएसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी



मथुरा। तहसील छाता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्ता-पूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कोई भी फरियादी तहसील दिवस अथवा किसी भी सरकारी कार्यालय से निराश होकर वापस नहीं जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पारदर्शिता के आधार पर पात्र लोगों को नियमानुसार न्याय दिलाना ही प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि तहसील दिवस में आने वाले शिकायतकर्ताओं को विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाए तथा क्षेत्रीय समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पीड़ित लोगों को समय पर राहत मिल सके। उप जिलाधिकारी छाता अखिलेश कुमार ने बताया कि तहसील छाता में कुल 63 शिकायतें प्राप्त हुईं।

फास्ट न्यूज

ग्रेटर आगरा की दोनों टाउनशिप में 424 आवेदनों में खामियां

आगरा। ग्रेटर आगरा परियोजना के तहत विकसित की जा रही गंगापुरम और नर्मदापुरम टाउनशिप में आवासीय भूखंडों के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद आवेदनों पत्रों की जांच कर ली गई है। दोनों टाउनशिप के 424 आवेदनों में त्रुटियां मिली हैं। इनमें सुधार के लिए आवेदकों को 17 से 24 अगस्त का समय दिया जा रहा है। आगरा विकास प्राधिकरण (ADA) को दोनों टाउनशिप के लिए कुल 2176 आवेदन प्राप्त हुए थे।

डाक कांवड़ लेकर आए शिवभक्तों का हंगामा

आगरा। आगरा के खंदारी स्थित पंचायती बगीची पर सोमवार को डाक कांवड़ लेकर पहुंचे भक्तों ने पंचायती मंदिर में जल चढ़ाने की अनुमति न मिलने पर हंगामा किया। कांवड़िए सड़क पर बैठ गए। पुलिस ने समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक गहमागहमी हुई। हालांकि बाद में कांवड़ियों ने दूसरे मंदिर में जलाभिषेक किया। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई। जानकारी के मुताबिक, सोरों से कुछ युवक डाक कांवड़ लेकर सुबह करीब 6 बजे पंचायती बगीची पहुंचे थे। उनके परिजन भी साथ थे।

युवक ने नशे में की फायरिंग

अलीगढ। अलीगढ़ के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के विष्णुपुरी इलाके में रविवार शाम एक युवक ने नशे में हंगामा किया। आरोप है उसने पैसों को लेकर विवाद के बाद रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसके बाद खिड़की से फायरिंग करने लगा। गोलियों की आवाज सुनकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

ई-पॉस आधारित नई कोटेदार कमीशन प्रणाली का शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने देखा सीधा प्रसारण

तमसा संकेत, संवाददाता



मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उचित दर विक्रेताओं के हित में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए नई ई-पॉस आधारित कोटेदार कमीशन प्रणाली का शुभारंभ किया गया। राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई व्यवस्था का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेशभर के उचित दर विक्रेताओं को बड़ी सौगात देते हुए उनके कमीशन में वृद्धि की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में वृद्धि करते हुए कमीशन को 90 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल करने की नई व्यवस्था का शुभारंभ किया। इसके साथ ही सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली भी शुरू की गई। जनपद मथुरा के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) नंद प्रकाश मौर्य, उपजिलाधिकारी सदर मोहित कुमार तथा जिले के उचित दर विक्रेताओं ने कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा और नई व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। वहीं, बलदेव ब्लॉक सभागार में भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस दौरान विधायक पूरन प्रकाश, महावन उपजिलाधिकारी प्रजक्ता त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी बलदेव नेहा रावत, खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक रविकांत तथा क्षेत्र के उचित दर विक्रेताओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

आगरा में ड्राइवर को नींद की झपकी आने से हादसा, कानपुर से गुड़गांव जा रही थी

डबल-डेकर बस पलटने से 1 की मौत, 20 घायल





तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार देर रात करीब 2 बजे एक डबल डेकर बस नींद की झपकी आने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। बस कानपुर से गुड़गांव जा रही थी। मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर फतेहाबाद पुलिस, यूपीड़ा की टीम और 108 व 102 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घायलों को बस के नीचे से



निकालकर अस्पताल भिजवाया। दो घायलों की हालत गंभीर होने के चलते उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसा जिला मुख्यालय से 29 किलोमीटर दूर फतेहाबाद थाना क्षेत्र में हुआ। फतेहाबाद थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ हाइवे पर शताब्दी ट्रैवल्स की प्राइवेट डबल डेकर बस देर रात करीब 2 बजे अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। बस कानपुर की थी और कानपुर से गुड़गांव जा रही थी। बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे। ड्राइवर को नींद की झपकी आने से बस बेकाबू होकर पुलिया के डिवाइडर से टकराई और पलट गई। नींद में सो रहे यात्रियों की अचानक हुए हादसे के बाद आंख खुल गई और चीख पुकार मच गई. बस पलटते ही यात्री एक दूसरे के ऊपर गिर गए और घायल हो गए। कई लोग बस के पहिए के नीचे दब गए। मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। तत्काल पुलिस हादसे की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर फतेहाबाद पुलिस यूपीड़ा की टीम और 108 व 102 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं।

करीब 20 यात्री घायल

हादसे में अनुराग द्विवेदी (30) निवासी पनकी कानपुर, अजय सिंह (25) निवासी औरैया, विवेक सिंह (24) निवासी कानपुर देहात, अरविंद (49), आदित्य (32) निवासी कानपुर, प्रशांत (33) निवासी कानपुर, दीपक (26) निवासी कानपुर, गुलफशा (36) निवासी रावतपुर कानपुर, नंदन (33) निवासी फतेहाबाद आगरा, सरवन (48) निवासी पनकी कानपुर, नेहा (23) निवासी बड़ा शाहपुर गुरुग्राम, बबलू (28) निवासी वर्रा कानपुर, देवेश (23) निवासी कामादेव कानपुर और राहुल (32) निवासी घंटाघर कानपुर , आदित्य प्रजापित (36) पुत्र रमेशचंद्र प्रजापति निवासी सुरेंद्रनगर थाना रावतपुर, कानपुर घायल हो गए।

हिंदू नेताओं ने मेहताब बाग में की पूजा-अर्चना

गंगाजल चढ़ाया और भगवा ध्वज लहराया, बोले- शिव मंदिर है

सावन के पहले सोमवार पर जिलाध्यक्ष मीरा राठौर कांवड़ लेकर ताजमहल पहुंची थीं।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में सावन के तीसरे सोमवार को अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता मेहताब बाग पहुंचे। यहां यमुना किनारे से ताजमहल को तेजो महालय मानते हुए धार्मिक कार्यक्रम किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अज्जू चौहान ने आरती उतारी, जबकि मनीष पंडित ने गंगाजल अर्पित किया। कार्यकर्ताओं ने शिव चालीसा का पाठ किया और भगवा ध्वज भी लहराया। इससे पहले सावन के पहले सोमवार को संगठन की जिला अध्यक्ष मीरा राठौर कांवड़ लेकर ताजमहल की ओर जल चढ़ाने पहुंची थीं। उस समय जल चढ़ाने



का प्रयास किया गया था। अब तीसरे सोमवार को कार्यकर्ताओं ने मेहताब बाग से पूजा-अर्चना की। उनका कहना है कि तेजो महालय से जुड़े दावों की सच्चाई इतिहास और प्रमाणों के आधार पर सामने आनी चाहिए। सावन के पहले सोमवार पर जिलाध्यक्ष मीरा राठौर कांवड़ लेकर ताजमहल पहुंची थीं। हिंदू महासभा की जिला अध्यक्ष मीरा राठौर ने कहा कि सावन के पहले सोमवार को कांवड़ लेकर ताजमहल की ओर जल चढ़ाने का प्रयास उनकी आस्था की आवाज थी। उन्होंने कहा कि तीसरे सोमवार को मेहताब बाग में आरती और गंगाजल अर्पित करना उसी क्रम की अगली कड़ी है। मीरा राठौर ने कहा कि किसी को रोकने से सवाल खत्म नहीं होंगे। तेजो महालय से जुड़े ऐतिहासिक दावों की निष्पक्ष जांच कराकर सच्चाई जनता के सामने रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन इस मुद्दे से पीछे नहीं हटेगा।

'इतिहास और प्रमाणों से दिया जाए जवाब'

अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अज्जू चौहान ने कहा कि उनकी आस्था तेजो महालय को लेकर स्पष्ट है। उनका कहना है कि इस मुद्दे पर उठ रहे सवालों का जवाब दबाव के बजाय इतिहास और प्रमाणों के आधार पर दिया जाना चाहिए। अज्जू चौहान का दावा है कि ताजमहल के अंदर शिव मंदिर है। उन्होंने कहा कि इस दावे से जुड़े तथ्यों को सामने लाने के लिए ऐतिहासिक प्रमाणों की जांच जरूरी है।



यमुना किनारे की पूजा-अर्चना

सोमवार सुबह हिंदू महासभा के कार्यकर्ता मेहताब बाग पहुंचे। यमुना नदी के किनारे धार्मिक आयोजन किया गया। यहां ताजमहल की ओर मुख करके आरती की गई और गंगाजल अर्पित किया गया। इस दौरान शिव चालीसा का पाठ भी हुआ। कार्यकर्ताओं ने भगवा ध्वज लहराते हुए अपनी धार्मिक मान्यताओं को लेकर नारे भी लगाए। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि यह कार्यक्रम उनकी पहले से चल रही गतिविधियों का हिस्सा है।

महिलाओं से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के आरोपी पर एनएसए की कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। छात्राओं और महिलाओं से छेड़छाड़, जबरन वाहन में बैठाने के प्रयास और दुष्कर्म जैसे गंभीर मामलों में आरोपी ओमप्रकाश लवानिया उर्फ भूरा के खिलाफ पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की है। आरोपी के खिलाफ अलग-अलग थानों में कुल नौ मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्ती का संदेश गया है। थाना प्रभारी अभय कुमार शर्मा ने बताया कि 35 वर्षीय ओमप्रकाश लवानिया उर्फ भूरा मूल रूप से जुलेंडी, थाना गोवर्धन का निवासी है और वर्तमान में नगला साखी में रह रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ छात्राओं और महिलाओं से छेड़छाड़, उन्हें जबरन वाहन में बैठाने के प्रयास और दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोपों से संबंधित मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके आपराधिक रिकॉर्ड को गंभीरता से लेते हुए उसके खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों और विभिन्न सामाजिक संगठनों में भी नाराजगी थी। लोगों की ओर से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की गई थी। पुलिस का कहना है कि महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के आपराधिक इतिहास की समीक्षा की गई। उसके खिलाफ दर्ज मामलों और गतिविधियों को देखते हुए एनएसए की कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश लवानिया को 11 जुलाई को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी थी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया था। उपचार के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

नितिन नवीन की...

नई टीम में जहां 51 नए नेताओं को जिम्मेदारी मिली है, वहीं पिछली राष्ट्रीय टीम के 29 चेहरों को इस बार जगह नहीं दी गई। इनमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, सचिव और कोषाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक पदों पर जिम्मेदारी संभाल चुके नेता भी शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न मोर्चों, पार्टी कार्यालय और मीडिया से जुड़े कुछ पुराने पदाधिकारियों को भी नई टीम में शामिल नहीं किया गया है। इस बदलाव से संगठन में कई स्तरों पर नई नियुक्तियों का रास्ता साफ हुआ है। हालांकि सभी 65 सदस्यों की उम्र से जुड़ी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर वसुंधरा राजे सबसे वरिष्ठ और डॉ. हेमांग जोशी सबसे युवा सदस्य हैं। भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में एक ओर जहां बड़ी संख्या में नए चेहरों को जिम्मेदारी दी गई है, वहीं 14 पुराने नेताओं को बरकरार रखा गया है। इससे संगठन में नए नेतृत्व के साथ अनुभवी नेताओं के अनुभव का संतुलन बनाए रखने की कोशिश भी नजर आती है। नई टीम के गठन के साथ भाजपा ने संगठन में बदलाव का स्पष्ट संकेत दिया है। अब इन नेताओं के सामने पार्टी के संगठन को मजबूत करने, राज्यों में चुनावी तैयारियों को गति देने और केंद्र व राज्यों के स्तर पर पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी 2027 में उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में नई राष्ट्रीय टीम में चुनावी राज्यों को मिला प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश से आठ नेताओं को जगह मिलने से राज्य के संगठनात्मक महत्व का भी अंदाजा लगाया जा सकता है। और गुजरात से चार-चार तथा पंजाब से दो नेताओं को शामिल किया गया है। इन राज्यों में संगठन और चुनावी रणनीति को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय टीम के सदस्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। नितिन नवीन की नई टीम के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा ने राष्ट्रीय संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव किया है। 65 में 51 नए चेहरों की मौजूदगी और 29 पुराने चेहरों का बाहर होना इस बदलाव को और स्पष्ट करता है। नई टीम में युवा नेतृत्व, महिला भागीदारी और चुनावी राज्यों के प्रतिनिधित्व को जगह देने के साथ अनुभवी नेताओं को भी बनाए रखा गया है। अब नई टीम के कामकाज पर नजर रहेगी कि वह आने वाले चुनावों और संगठनात्मक चुनौतियों के बीच पार्टी की रणनीति को किस तरह आगे बढ़ाती है।

7 दिन में फाइनल...

केंद्र ने बताया कि ड्राफ्ट पर कुछ अंतिम चर्चा चल रही है। मामला पिछले साल नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था, जब किराए में बढ़ोतरी, हिडन चार्ज जैसे मामले पर एक याचिका दायर की गई थी। बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार ने ड्राफ्ट नियमों को फाइनल करने के लिए 3 हफ्ते का समय मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 7 सितंबर को तय की गई। हवाई किराया नियमों को लेकर याचिका सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन ने दायर की थी। उन्होंने पूरे सिविल एविएशन सेक्टर में ट्रांसपेरेंसी और यात्रियों की सुरक्षा के लिए मजबूत और फ्री रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाने की मांग की है। याचिका में भारत की प्राइवेट एयरलाइन्स की ओर से हवाई किराए और एक्स्ट्रा चार्ज के रूप में होने वाले उतार-चढ़ाव पर कंट्रोल के लिए गाइडलाइंस बनाने की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि नए नियम लागू होने तक पुराने नियम ही चल रहे हैं। उन्होंने मौजूदा व्यवस्था पर भी सवाल उठाया। याचिका में कहा गया कि एयरलाइन्स बहुत ज्यादा किराया वसूल रही हैं। उन्होंने संसद में नागरिक विमानन मंत्री के बयान का हवाला देते हुए कहा कि सरकार ने कहा था कि वह हवाई किराए की अधिकतम सीमा तय नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने 13 जुलाई को सरकार से भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत बनाए गए नियम उसके सामने रखने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि नियमों को सीलबंद लिफाफे में पेश किया जाए, चाहे उन्हें संसद के सामने रखा गया हो या नहीं। इससे पहले 15 मई को याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हवाई किराए को तर्कसंगत बनाने की जरूरत है। कोर्ट ने सरकार से यात्रियों को राहत देने के लिए कहा था। तब सरकार ने कोर्ट को बताया था कि 2024 का नया कानून जनवरी 2025 में लागू हो गया है। इसके तहत बनाए जाने वाले नियम तैयार किए जा रहे हैं। मामला पिछले साल 17 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। जहां कोर्ट ने सोशल एक्टिविस्ट लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर केंद्र और अन्य पक्षों से जवाब मांगा था। याचिका में पूरे सिविल एविएशन सेक्टर में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा के लिए मजबूत और स्वतंत्र नियामक की मांग की गई थी। जनवरी में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह हवाई किराए में होने वाले "उतार-चढ़ाव" में दखल देगा। कोर्ट ने त्योहारों के दौरान किराए में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी का मुद्दा भी उठाया था। कोर्ट ने एयरलाइंस की ओर से हवाई किराए में की जाने वाली बहुत ज्यादा बढ़ोतरी को शोषण बताया था। उसने केंद्र और नागरिक विमानन महानिदेशालय से याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा था। याचिका में कहा गया है कि नियामकीय सुरक्षा नहीं होने से त्योहारों या मौसम खराब होने के दौरान किराए में मनमानी बढ़ोतरी होती है। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब और आखिरी समय में टिकट बुक करने वाले यात्रियों पर पड़ता है। किराया तय करने वाले एल्गोरिदम, टिकट कैंसिलेशन की नीतियों, सेवाएं जारी रखने और शिकायतों के समाधान की व्यवस्था को नियंत्रित नहीं करना राज्य के संवैधानिक दायित्व में चूक है।

राहुल-सोनिया पर वंदे...

वंदे मातरम को लेकर यह विवाद ऐसे समय हुआ है, जब संसद ने हाल ही में इसे कानूनी संरक्षण देने वाला नया कानून पास किया है। इसके तहत वंदे मातरम को 'जन गण मन' के बराबर कानूनी संरक्षण मिला है। जानबूझकर इसके अपमान या गायन में रुकावट डालने पर 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

कोटेदार का नाम...

कोटेदार शब्द से ही लोगों को चिढ़ थी। इसमें गलती आपकी नहीं थी। पाप कोई और करता था और भुगतभोगी आप बनते थे। उनके भ्रष्ट आचरण की आंच से आप खुद को बचा नहीं पाते थे। उन्होंने कहा- आपकी दुकानों को अन्नपूर्णा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। 500 करोड़ रुपए की व्यवस्था की जा रही है। दुकान भी बनेगी और गोदाम भी बनेगा। पहले आप राशन ही बेच सकते थे। अब 39 प्रकार के आइटम बेच सकते हैं। आपका कमीशन 25 रुपए और बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को लिखा है। यानी, अगर मंजूरी मिली तो आपको प्रति कुंतल 150 रुपए मिलेंगे। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा- पहले राशन तीन महीने में एक बार आता था, एक को मिलता था, दो का गायब हो जाता था। पहले दुकान से पानी टपकता था, अब 10 हजार पक्के मकान बन गए। जितने कोटेदार हैं उन्हें पक्की दुकान बनकर मिल रही है। आपकी ताकत बहुत है। गांव में अगर 1000 वोट हैं तो 500 वोट आपके साथ हैं डायरेक्ट। आप उनकी मदद करते हैं। गांव में बोलेरो या तो आपके पास है या ग्राम प्रधान के पास। अगर नहीं है, तो ले लो, फाइनेंस हम करा देंगे। उन्होंने कहा- तुमको हमारा काम भी करना पड़ेगा। अब राशन ही नहीं और सामान भी दुकान में बिक सकता है। 35 तरीके का सौदा मिल सकता है। घर का एक आदमी परमानेंट एडजस्ट हो गया कि नहीं। 17 से पहले और अब की तुलना कर लेना। गुंडागर्दी थी। अब कोई गुंडा माफिया है? नहीं है। डिप्टी सीएम ने कहा- पहले मेहमान आते थे तो पूछते थे कि बिजली दिन की है या रात की। सड़क बिजली, पानी, स्कूल का बस्ता किताब मिली। कोटेदार का सम्मान हुआ तो प्रधान का कार्यालय भी डीएम की तरह बना।

हरिहरन-अर्जुन अगले राउंड में पहुंचे

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप भारत की जीत से शुरुआत

आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने जीत के साथ शुरुआत की है। नई दिल्ली में मेंस डबल्स के पहले राउंड में हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ने आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को हरा दिया।

भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी 6-4 से आगे थी, तभी आयरलैंड की जोड़ी ने चोट की वजह से मैच से हटने का फैसला किया। बैडमिंटन में रिटायरमेंट का मतलब है कि खिलाड़ी मैच शुरू होने के बाद उसे बीच में छोड़ देता है। इसका सबसे आम कारण चोट या शारीरिक परेशानी होती है। मांसपेशियों में खिंचाव, जोड़ों में दर्द या ऐसी चोट, जिससे आगे खेलना जोखिम भरा हो, इसके प्रमुख कारण हो सकते हैं।

रिटायरमेंट होने पर विपक्षी खिलाड़ी को विजेता घोषित किया जाता है। यह वॉकओवर या



2026 वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हो रहा है। यह चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक चलेगी। भारत ने आखिरी बार 2009 में इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी।

आयुष शेट्टी के सामने डिफेंडिंग चैंपियन

भारत के आयुष शेट्टी को पहले ही राउंड में बड़ा मुकाबला खेलना है। उनका सामना चीन के टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन शी यू ची से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 3 मुकाबले हुए हैं और तीनों में भारतीय खिलाड़ी को हार मिली है।

विड्रॉल से अलग होता है, क्योंकि रिटायरमेंट में मैच शुरू हो चुका होता है। टॉप सीड वह खिलाड़ी या जोड़ी होती है जिसे टूर्नामेंट में उसकी रैंकिंग के आधार पर सबसे मजबूत दावेदार माना जाता है। सीडिंग का मकसद मजबूत खिलाड़ियों

आयरलैंड की जोड़ी ने मैच छोड़ा

सिंधु का मुकाबला नोबल के साथ

भारत की ओर से आज कई बड़े खिलाड़ी कोर्ट पर उतरेंगे। पीवी सिंधु महिला सिंगल्स में आयरलैंड की सोफिया नोबल के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। सिंधु के नाम वर्ल्ड चैंपियनशिप में 5 मेडल हैं और वह रिकॉर्ड छठा मेडल जीतने के लक्ष्य के साथ उतर रही हैं।



आयरलैंड की जोड़ी मैच के दौरान चोटिल होने के कारण मैच से हट गई।

को शुरुआती दौर में एक-दूसरे के सामने आने से रोकना होता है। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन वह खिलाड़ी होता है जिसने पिछली बार टूर्नामेंट जीता हो और इस बार अपने खिताब को बचाने उतरा हो। इसलिए आयुष शेट्टी के सामने शी यू ची का मुकाबला खास है, क्योंकि शी यू ची डिफेंडिंग चैंपियन हैं।

ऋषभ पंत और केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों का किया शिकार

फिर भी खराब लिस्ट में पहुंचा ये श्रीलंकाई क्रिकेटर

नई दिल्ली, एजेंसी

जब कोई खिलाड़ी डेब्यू करता है तो वह सोचता है कि अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करे। उसकी कोशिश रहती है कि उसके नाम कोई शर्मनाक रिकॉर्ड न आ जाए। श्रीलंका के केशरा नुवांथा ने भी गॉल में भारत के खिलाफ डेब्यू करते हुए यही सोचा था। उनका डेब्यू भी अच्छा जा रहा था, लेकिन फिर भी उनका नाम उस लिस्ट में आ गया जिसमें वह चाहते नहीं थे। भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी की और 462 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने श्रीलंकाई खिलाड़ियों की जमकर परीक्षा ली और खूब रन बनाए। अपना टेस्ट डेब्यू कर रहे स्पिनर केशरा ने इस मैच में ऋषभ पंत को आउट किया और केएल राहुल को शतक बनाने से रोका, लेकिन फिर भी उन्होंने रन लुटाए और उस लिस्ट में आ गए जिसमें डेब्यू मैच में कोई भी गेंदबाज नहीं चाहता। केशरा डेब्यू मैच



में सबसे ज्यादा रन देने वाले श्रीलंकाई गेंदबाजों की लिस्ट में सीधे चौथे नंबर पर पहुंचे हैं। इस लिस्ट में पहला नाम सूरज रंदीव का है जिन्होंने 2010 में भारत के खिलाफ ही कोलंबो में डेब्यू किया था और 73 ओवरों में 222 रन दे दिए थे और लिए थे सिर्फ दो विकेट। दूसरा नंबर पर थारिंडू रत्नायाके हैं जिन्होंने 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ डेब्यू करते हुए 49.2 ओवरों में तीन विकेट खोकर 196 रन दिए थे। तीसरे नंबर पर लेग स्पिनर उपुल चंदना है जिन्होंने साल 1999 में ढाका में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू करते हुए 47.5 ओवरों में 179 रन दिए थे, लेकिन वह छह विकेट लेने में सफल रहे थे।

श्रीलंका दौरे पर केएल राहुल ने बताया तैयारी का प्लान

टीम इंडिया के उपकप्तान बोले- अनुभव का फायदा उठाना और मौकों को भुनाना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के उपकप्तान केएल राहुल ने अपनी तैयारी और खेल को लेकर सोच साझा की है। BCCI के विशेष इंटरव्यू वीडियो 'Turning Up Ft. KL Rahul' में बातचीत के दौरान राहुल ने बताया कि लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद अनुभव का सही इस्तेमाल करना और मिले मौकों को भुनाना जरूरी है।

राहुल ने तैयारी, अनुशासन और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखने को सफलता के लिए अहम बताया। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हर परिस्थिति के लिए खुद को तैयार रखना और मैदान पर अपनी भूमिका को समझना जरूरी है। केएल राहुल ने श्रीलंका के



खिलाफ टेस्ट की पहली पारी में 82 रन बनाए। वह पहले दिन 77 रन के स्कोर पर क्रैम्प्स के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। इसके बाद दूसरे दिन वह दोबारा बल्लेबाजी के लिए उतरे और 82 रन तक पहुंचे। राहुल ने 175 गेंदों की पारी में 10 चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें केशरा नुवानथा ने शॉर्ट लेग पर कैच कराया। केएल राहुल ने बताया कि बड़े दौरे से पहले तैयारी के साथ सही माइंडसेट रखना भी जरूरी है। लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के दौरान खिलाड़ी को अपनी क्षमता और तैयारी की प्रक्रिया पर भरोसा रखना पड़ता है। राहुल के मुताबिक, मैदान पर उतरने से पहले की तैयारी काफी मायने रखती है। इसलिए वह बुनियादी चीजों पर फोकस करने और अलग-अलग परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखने की कोशिश करते हैं।

राहुल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अपने अनुभव को टीम के लिए इस्तेमाल करने की बात भी कही। श्रीलंका जैसी परिस्थितियों में पिच और हालात को जल्दी समझना और उसके मुताबिक अपने खेल में बदलाव करना महत्वपूर्ण होगा। एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर राहुल की कोशिश अपनी बल्लेबाजी के साथ टीम की जरूरत के मुताबिक योगदान देने की भी है।

ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया, सीफर्ट के 72 रन, डॉसन ने छक्के से जिताया

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स पहली बार द हंड्रेड चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहली बार 'द हंड्रेड' मेन्स कॉम्पिटिशन का खिताब जीत लिया। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में टीम ने ट्रेंट रॉकेट्स के 158 रन के टारगेट को 19.3 गेंद में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टिम सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन की पारी खेलकर जीत की नींव रखी। जबकि लियम डॉसन ने आखिरी गेंदों में छक्का लगाकर टीम को चैंपियन बना दिया।

इससे पहले ट्रेंट रॉकेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंद में 8 विकेट पर 158 रन बनाए। एनेरिन डोनाल्ड ने 19 गेंद में 38 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। लुईस ग्रेगरी ने 16 गेंद में 32 रन बनाए, जबकि



मिचेल सैंटनर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया।

मैनचेस्टर की ओर से नूर अहमद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 33 रन देकर 3 विकेट लिए। सोनny बेकर ने 34 रन देकर 2 विकेट लिए। सीफर्ट 33 रन पर आउट होने से बच गए। उन्होंने गेंद को लेग साइड में बाउंड्री की ओर खेला था। फिन एलन ने बाउंड्री के पास कैच लेने की कोशिश की और गेंद को मैदान के अंदर वापस फेंक दिया, लेकिन रीप्ले में उनका पैर बाउंड्री रोप को छूता दिखा। थर्ड अंपायर ने इसे छह रन दिया।

आखिरी गेंदों में रोमांच, डॉसन ने छक्का लगाकर जिताया

सीफर्ट के आउट होने के बाद मैनचेस्टर का स्कोर 23 गेंद बाकी रहते 136 रन था और जीत के लिए 23 रन चाहिए थे। इसके बाद ट्रेंट रॉकेट्स ने वापसी की कोशिश की। मोहम्मद आमिर ने लगातार गेंदों पर हेनरिक क्लासेन और माइकल ब्रेसवेल को आउट कर दिया।

मैनचेस्टर को आखिरी 3 गेंद में 3 रन चाहिए थे। बेन सैंडरसन की अगली दो गेंदों पर रन नहीं बना। इसके बाद लियाम डॉसन ने तीसरी गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से छक्का लगाकर मैच खत्म कर दिया। मैनचेस्टर ने 19.3 गेंद में 162/5 रन बनाकर 5 विकेट से जीत दर्ज की।



सीफर्ट और पॉल वॉल्टर ने मैनचेस्टर को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंद में 23 रन बनाए। उन्होंने 3 छक्के लगाए। बटलर के आउट होने के बाद भी सीफर्ट ने रन बनाने की रफ्तार बनाए रखी और टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन बनाए

मैनचेस्टर की जीत में न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने 38 गेंद में 72 रन बनाए। पारी में 7 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। साइफर्ट ने सिर्फ 23 गेंद में फिफ्टी पूरी कर ली थी। उन्होंने पॉल वॉल्टर के साथ पहले विकेट के लिए तेज शुरुआत करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

मनोरंजन

गोवा में एक्टर अश्विन मुशरान ने बाइक को टक्कर मारी

भीड़ ने घेरा, हंगामा हुआ नेता बोले- उनकी पत्नी ने मुझ पर थूका

नई दिल्ली। फैशन और लगे रहो मुन्नाभाई जैसी बड़ी फिल्मों में काम कर चुके एक्टर अश्विन मुशरान का गोवा से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें भीड़ ने उन्हें घेर लिया। दावा किया जा रहा है कि एक्टर की कार ने बाइक सवार पिता-बेटे को टक्कर मारी, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए। एक्सीडेंट के बाद विवाद खड़ा हुआ। सामने आए वीडियो में एक्टर भीड़ की नाराजगी के बीच बहस करते दिखे। वहां बीच-बचाव करने पहुंचे नेता ने दावा किया है कि एक्टर की पत्नी रेबेका ने उन पर थूका है। से बातचीत में एक्टर अश्विन ने कहा है कि मामले को गलत तरह पेश



किया जा रहा है, वो जल्द ही इस पर बयान जारी करेंगे। घटना कथित तौर पर रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे मडगांव के कुसमन, क्वेपेम इलाके में हुई। हादसे में बाइक सवार पिता को गंभीर चोटें आई हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। सामने आए वीडियो में अश्विन मुशरान और उनकी पत्नी रेबेका को स्थानीय लोगों से बहस करते देखा जा सकता है। एक्टर अश्विन मुशरान दसे के वीडियो पर कहा है, 'ये मामला कुछ और है। मैं इस पर बयान तैयार कर रहा हूं और जल्द ही इसे आपसे शेयर करूंगा।' घटनास्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक, 54 साल के अश्विन मुशरान गलत दिशा से आ रहे थे। इस दौरान उनकी गाड़ी टू-व्हीलर से टकरा गई। हालांकि, दुर्घटना की असल वजह और पूरा घटनाक्रम अभी साफ नहीं है।

राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान में फर्क भूले, पंजाब सिंध को कहा पंजाब सिंग, 2 और गड़बड़ की

जन गण मन हटाओ वंदे मातरम लाओ : मुकेश

नई दिल्ली। शक्तिमान एक्टर मुकेश खन्ना ने हाल ही में राष्ट्रगान जन गण मन को हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि इसकी जगह वंदे मातरम को देनी चाहिए। हालांकि ये बयान देते हुए उनसे बड़ी गड़बड़ हो गई। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्रगीत बनाना चाहिए, जबकि ये पहले से ही राष्ट्रगीत है। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रगान जन गण मन हाते हुए भी गड़बड़ कर दी।

हाल ही में आईएएनएस को दिए बयान में मुकेश खन्ना ने कहा, 'मैं तीन साल पहले बोल चुका हूं कि वंदे मातरम को राष्ट्रगीत बनाओ (ये राष्ट्रगीत ही है)। ये जन मन गण



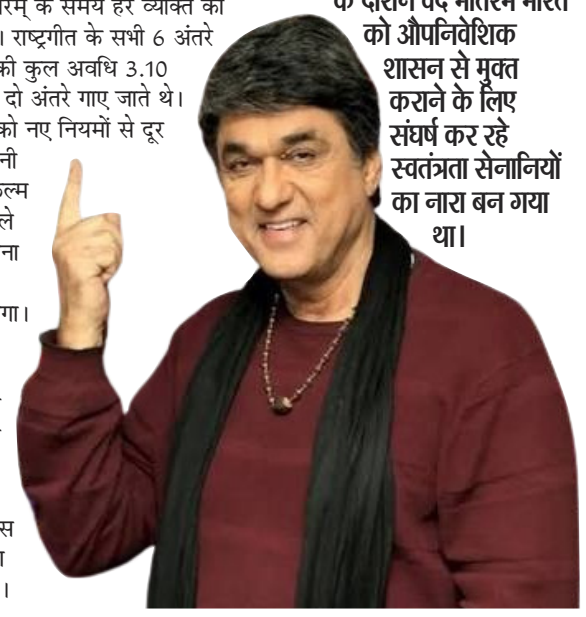
(जन गण मन) हमारे देश का नहीं है। ये जो क्वीन एलिजाबेथ थीं, उनके मान में रवींद्रनाथ टेगौर ने एक स्तुति गान लिखा था, उसको हमने मान लिया, भाग्य विधाता, पंजाब सिंग (सिंध)। अरे ये हमारा नहीं है। हमारा है वंदे मातरम, लता जी (मंगेशकर) ने गाया है।'

28 जनवरी को पहली बार आदेश आया

इससे पहले 28 जनवरी को भी सरकार ने सभी राज्यों को यही आदेश दिया था। इसमें मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरुआत में राष्ट्रगीत बजाया जाएगा। वंदे मातरम् के समय हर व्यक्ति को खड़ा होना होगा। राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे। इनकी कुल अवधि 3.10 मिनिट है। पहले दो अंतरे गाए जाते थे।

सिनेमा हॉल को नए नियमों से दूर रखा गया है। यानी सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले वंदे मातरम बजाना और खड़ा रहना अनिवार्य नहीं होगा। अगर किसी न्यूजरील या डॉक्यूमेंट्री फिल्म के हिस्से के रूप में राष्ट्रगीत बजाया जाता है, तो दर्शकों को उस दौरान खड़ा होना जरूरी नहीं होगा।

वंदे मातरम एक संस्कृत वाक्यांश है, जिसका मतलब है- हे मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदे मातरम भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था।



इमरान हाशमी की फिल्म ने सनी देओल और प्रीति जिंटा की फिल्म से लगभग तीन गुना ज्यादा कमाई की

तीसरे दिन आवारापन 2 के सामने चारों खाने चित्त दिखी बटवारा1947

नई दिल्ली, एजेंसी

'आवारापन 2' (Awarapan 2) और 'बंटवारा 1947' (Batwara 1947) के बीच बॉक्स ऑफिस की टक्कर तीसरे दिन तक एकतरफा हो गई। इमरान हाशमी (Emraan Hashmi) की सीक्वल फिल्म, सनी देओल (Sunny Deol) और प्रीति जिंटा की पीरियड ड्रामा फिल्म से काफी आगे निकल गई है।

दोनों फिल्में 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं और उन्हें स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी का बड़ा फायदा मिला, लेकिन 'आवारापन 2' ने उस शुरुआती बढ़त को एक बहुत बड़े ओपनिंग वीकेंड में बदल दिया है।

'आवारापन 2' ने शुक्रवार को





भारत में 22 करोड़ रुपये नेट की ओपनिंग की। वहीं दूसरे दिन यानी शनिवार को इसकी कमाई में 55% उछाल आया और ये बढ़कर 33.75 करोड़ रुपये हो गई। वहीं अब तीसरे दिन के परिणाम भी सामने आ गए हैं।

सैकनिल्क के मुताबिक आवारापन 2 ने तीसरे दिन 26.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है, जिससे भारत में इसका तीन दिन का नेट कलेक्शन 82.00 करोड़ रुपये हो गया है। सैकनिल्क के लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक, भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 98.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

बंटवारा 1947 ने भी छापे नोट

वहीं, बात करें सनी देओल की फिलम की तो 'बंटवारा 1947' ने शुक्रवार को 5.75 करोड़ रुपये की नेट कमाई के साथ शुरुआत की। शनिवार को फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आया और इसने 13.50 करोड़ रुपये कमाए, लेकिन रविवार को इसकी कमाई घटकर 7.50 करोड़ रह गई।

एक्ट्रेस अनन्या राज का 35 साल की उम्र में निधन

मानसिक और शारीरिक बीमारी से जूझ रही थीं

नई दिल्ली। फिल्म '7 आवर्स टू गो' और 'घोस्ट' फेम एक्ट्रेस अनन्या राज का 35 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके परिजनों ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की है।

परिजनों के अनुसार, अनन्या का निधन 15 जुलाई की सुबह नींद में ही हो गया। वे पिछले एक साल से ज्यादा समय से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। परिजनों ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने की अपील की है। अनन्या राज के परिवार ने उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक बयान



जारी कर उनके निधन की जानकारी दी। परिजनों ने लिखा कि वे बहुत भारी दिल से यह बता रहे हैं कि 15 जुलाई को तड़के अनन्या का निधन हो गया। वे नींद में ही शांति से इस दुनिया को अलविदा कह गईं। पोस्ट में लिखा गया कि पिछले एक साल से अधिक समय से वे शारीरिक और मानसिक परेशानी से गुजर रही थीं और उन्होंने एक योद्धा की तरह इसका सामना किया।

भारतीय अरबपति लक्ष्मी मित्तल के स्टील प्लांट को निशाना बनाया, 2 की मौत

रूस का यूक्रेन पर मिसाइल हमला

नुकसान

कीव, एजेंसी

रूस ने शनिवार रात यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में भारतीय अरबपति लक्ष्मी मित्तल की कंपनी आर्सेलर-मित्तल के स्टील प्लांट पर मिसाइल हमला किया। हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 13 कर्मचारी व ठेकेदार घायल हुए हैं।

यह यूक्रेन का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है। हमले के बाद प्लांट में प्रोडक्शन का कुछ काम रोकना पड़ा। प्लांट की ऊर्जा व्यवस्था और ब्लास्ट फर्नेस से जुड़े अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा है।

हमले के बाद दमकलकर्मी, बचाव दल और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव का काम जारी है। यूक्रेनी सेना ने दावा



रूस ने शनिवार को यूक्रेन के अलग-अलग शहरों पर हमला किया।

किया कि उसने रूस के रोस्तोव क्षेत्र में मिसाइल ईंधन बनाने वाली एक फैक्ट्री को भी निशाना बनाया। यूक्रेन का क्रिवी रिह स्टील प्लांट पहले सरकारी कंपनी के पास था। 2005 में लक्ष्मी मित्तल की कंपनी मित्तल स्टील ने इसे खरीद लिया। इसके बाद मित्तल स्टील का आर्सेलर के साथ विलय हुआ और 2006 में आर्सेलरमित्तल बनी। तब से यह प्लांट इसी कंपनी का हिस्सा है। लक्ष्मी मित्तल भारतीय मूल के बड़े उद्योग-



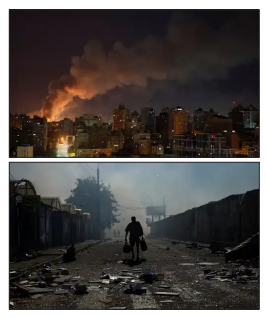
यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद रूस के मॉस्को क्षेत्र के कोलेडिनो में जलते वाइल्डबेरीज वेयरहाउस के सामने से गुजरते लोग।

जवाब में यूक्रेन का रूस पर ड्रोन अटैक

यूक्रेन ने रूस के मॉस्को क्षेत्र में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रे वोरोब्योव के मुताबिक, हमले में 83 साल के एक व्यक्ति की मौत हुई और कई लोग घायल हुए। हमले में रूस की बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के एक वेयरहाउस में भी आग लग गई। यह जगह मॉस्को से करीब 45 किमी दूर है।

आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह यूक्रेन की अर्थव्यवस्था के लिए अहम औद्योगिक इकाई है। यह कंपनी दुनिया की बड़ी स्टील कंपनियों में शामिल आर्सेलरमित्तल का हिस्सा है, जिसके चेयरमैन और प्रमुख शेयरधारक भारतीय उद्योगपति लक्ष्मी निवास मित्तल हैं।

पतियों में गिने जाते हैं। उनकी कंपनी आर्सेलरमित्तल दुनिया की बड़ी स्टील कंपनियों में शामिल है और कई देशों में कारोबार करती है।



2022 में भी हुआ था हमला

इस प्लांट पर रूस पहले भी हमला कर चुका है। 2022 में हुए रूसी मिसाइल हमले में प्लांट की एक रोलिंग मिल नष्ट हो गई थी और एक कर्मचारी की मौत हुई थी।

यहां स्टील बनाने के लिए बड़े ब्लास्ट फर्नेस और दूसरी उत्पादन इकाइयां हैं। रूस के हमले में इन्हीं उत्पादन से जुड़े कुछ अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। इसलिए कंपनी ने प्लांट का कुछ काम अस्थायी रूप से रोक दिया है।

खैबर पख्तूनख्वा में तीन लैंडमाइन धमाके

खैबर पख्तूनख्वा में तीन लैंडमाइन धमाकों से 9 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में लैंडमाइन के तीन अलग-अलग धमाकों में 9 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार, ये तीनों धमाके रविवार को कुर्रम के दूर-दराज इलाके डंडार सहारा में हुए।

पहली घटना में, हामिद हुसैन नाम के एक मजदूर के दोनों पैर धमाके में उड़ गए। बाद में शाम को उसी इलाके में लैंडमाइन के अलग-अलग धमाकों में दो और लोग घायल हो गए। तीसरी घटना में 6 लोग घायल हुए। पुलिस ने कहा कि इन घटनाओं ने इलाकों में बिना फटे बमों और लैंडमाइन की मौजूदगी को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। पिछले एक हफ्ते के दौरान कुर्रम के अलग-अलग हिस्सों में लैंडमाइन धमाकों और मोर्टार शेल से जुड़ी कई घटनाएं भी सामने आई हैं। ताजा



- पुलिस ने बिना फटे बमों की मौजूदगी पर चिंता जताई।
- स्थानीय लोगों ने माइंस हटाने के लिए अभियान की मांग की।

घटनाओं से स्थानीय लोगों में काफी चिंता है। उन्होंने अधिकारियों से मांग की है कि वे आबादी वाले इलाकों से लैंडमाइन और बिना फटे बमों की पहचान करके और उन्हें हटाने के लिए तुरंत अभियान चलाएं, ताकि आगे और लोगों की जान न जाए।

फास्ट न्यूज

किम जोंग की धमकी के बाद ट्रंप के बदले सुर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को पेंटागन को साउथ कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास को कम करने का आदेश दिया है। ट्रंप ने इस फैसले के पीछे की वजह ईरान के खिलाफ अमेरिकी प्रयासों में साउथ कोरिया के सहयोग से इनकार और नार्थ कोरिया को अभ्यासों से मिलने वाले 'दुश्मनी भरे संकेत' को बताया है।

कुर्दिस्तान के राष्ट्रपति को अमेरिका ने बनाया था मोहरा

वाशिंगटन। मई के मध्य में जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के साथ सीधी बातचीत शुरू की, तो उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती तेहरान के वास्तविक रुख को समझना था। इस स्थिति को स्पष्ट करने के लिए डोनल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ एक गुप्त माध्यम स्थापित किया। इसका मुख्य उद्देश्य पुष्टि करना था कि क्या ईरानी वार्ताकार संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची वास्तव में ईरानी सेना के शीर्ष नेतृत्व की सहमति से बातचीत कर रहे हैं।

'गाजा में हर रात 30-40 लोगों को मारना चाहिए'

यरुशलम। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गठबंधन में एक कट्टरपंथी इजरायली सांसद ने खुलेआम गाजा में हर रात 30 से 40 लोगों को मारने की बात की। राष्ट्रीय सुरक्ष मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने यह बयान गाजा में पहले बंधक रह चुके रोम ब्रास्लाव्स्की से ब्रास्लाव्स्की के पॉडकास्ट पर बात करते हुए दिया। दोनों 7 अक्टूबर, 2023 के हमास हमले से इजरायल के उबरने पर बात कर रहे थे।

सरकार के आर्थिक सलाहकार बोले ई20 से गाड़ियों को नुकसान

फ्यूल में 30% एथेनॉल मिलाया तो खाद्य संकट संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन (CEA) का कहना है कि E20 पेट्रोल से गाड़ियों में नुकसान हो रहा है। पुराने टू-व्हीलर्स के लिए E10 पेट्रोल की बिक्री फिर से शुरू की जानी चाहिए।

नागेश्वरन ने 'द इंडियन एक्सप्रेस' में लिखे अपने आर्टिकल में कहा कि भारत ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य समय से पहले हासिल करके अरबों रुपए तो बचा लिए, लेकिन अब नया संकट खड़ा हो रहा है। सरकार का दावा है कि पेट्रोल में एथनॉल मिलाने से कच्चे तेल के इम्पोर्ट में कमी आई है। इससे अरबों रुपए की बचत हुई है।

एथेनॉल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गन्ना, मक्का और चावल जैसी खाद्य फसलों को बड़े पैमाने पर एथेनॉल फैक्ट्रियों में भेजा जा रहा है। अगर एथेनॉल बनाने



वाली कंपनियां ज्यादा दाम देकर मक्का खरीदने लगेंगी, तो पोल्ट्री और डेयरी इंडस्ट्री के लिए चारा महंगा हो जाएगा। नतीजा यह होगा कि अंडे, चिकन और दूध के दाम बढ़ेंगे, जिससे सीधे तौर पर खाद्य महंगाई को बढ़ावा मिलेगा।

वी अनंत नागेश्वरन के मुताबिक देश में इस समय करीब 8 करोड़ पुराने बाइक-स्कूटर दौड़ रहे हैं। ये पुरानी 'कार्बोरेटर' तकनीक पर चलते हैं, जो BS-IV इंजन नियमों के आने से पहले बनती थीं।

सरकार अब पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाकर बेच रही है। लेकिन पुराने कार्बोरेटर वाली गाड़ियां इस E20 पेट्रोल पर ठीक से चल नहीं पातीं।

महिला ने ऐसा किया तो इनाम दोगुना, मारने वाला हथियार खरीदकर म्यूजियम में रखेंगे

अमेरिकी सैनिकों को मारने-पकड़ने पर 28 लाख इनाम : ईरानी सेना

तेहरान, एजेंसी

ईरानी सेना ने ऐलान किया है कि किसी अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने वाले व्यक्ति को 30 हजार डॉलर (करीब 28 लाख रुपए) का इनाम दिया जाएगा। अगर यह काम कोई महिला करती है तो इनाम की रकम दोगुनी यानी 60 हजार डॉलर कर दी जाएगी।

ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी ने तेहरान में कहा कि यह योजना कई मांगों के बाद बनाई गई है। यह उन लोगों के लिए है, जो फाइनेंशियल जिहाद के जरिए देश के युद्ध प्रयासों में आर्थिक रूप से मदद करना चाहते हैं।

ईरान ने शनिवार को आरोप लगाया कि कतर ने उसके तीन पायलटों को 2 मार्च से कैद कर रखा है। ईरान के मुताबिक, उस दिन



ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी तेहरान में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के शुरुआती दिनों में उनके Su-24 विमान कतर की एयर डिफेंस की चपेट में आए थे। पायलट पैराशूट से नीचे उतरे और जिंदा बच गए, लेकिन इसके बाद कतर के अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया। यह दावा ईरानी सेना में लापता लोगों की तलाश

हातमी बोले- अमेरिकी सेना को पीछे हटने पर मजबूर किया



हातमी ने कहा कि इस संघर्ष ने अमेरिका के सैन्य दबदबे को कमजोर किया है। साथ ही कई देशों को अपनी सुरक्षा के लिए दूसरे विकल्प तलाशने पर मजबूर किया है।

हातमी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने ईरान की हार के बाद होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का क्षेत्र घोषित करने की बात कही थी। द यरुशलम पोस्ट के मुताबिक हातमी ने दावा किया कि ईरान ने अमेरिकी सेना को प्रभावी रूप से पीछे हटने पर मजबूर किया है। अब उसे फारस की खाड़ी, ओमान सागर या होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

करने वाली समिति के प्रमुख जनरल सैयद मोहम्मद बाघेरजादेह ने रेड क्रॉस को लिखे पत्र में किया है।

बाघेरजादेह ने जिन पायलटों के नाम बताए, उनमें

कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद अल-अंसारी ने ईरान के आरोप को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कतर ने किसी भी ईरानी पायलट को हिरासत में नहीं लिया है। उनके मुताबिक, ईरानी विमानों ने कतर के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया था। कतर ने पायलटों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन जवाब नहीं मिला। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपनी सीमा की रक्षा के लिए कार्रवाई की गई।

जवाद सालेही, अब्दुलमजीद दश्तियान और उमरान बेहरावेशियन शामिल हैं। उनके मुताबिक एक और पायलट माजिद काजेमी की मौत हो गई थी। ईरान का कहना है कि इससे पहले तक उसे इन तीनों का कोई पता नहीं था।

व्हाइट हाउस में उनकी जगह लेना मुश्किल लेविट का प्रेस सेक्रेटरी के पद से इस्तीफा

लेविट को मुझसे ज्यादा अपने बच्चे पसंद : ट्रम्प

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट के पद छोड़ने पर मजाक किया। उन्होंने कहा, "मुझे पता चला है कि कैरोलिन लेविट मुझे पसंद करने से ज्यादा अपने बच्चों को पसंद करती हैं। मैं इसे लेकर बहुत चिंतित हूं।" ट्रम्प ने साथ ही कहा कि लेविट की जगह लेना आसान नहीं होगा।

लेविट अगस्त के आखिर में व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी की नौकरी छोड़ेंगी। उन्होंने अपने दो छोटे बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताने के लिए यह फैसला लिया है।

लेविट ने इसी हफ्ते पद छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार और दो छोटे बच्चों को



ज्यादा समय देना चाहती हैं। उन्होंने 1 मई 2026 को अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया था। इसके बाद वह मातृत्व अवकाश पर गई थीं और 16 जुलाई को प्रेस ब्रीफिंग में वापस लौटी थीं।

ट्रम्प ने उनके फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद भी लेविट उनकी टीम से जुड़ी रहेंगी और बाहरी सलाहकार के तौर पर काम करेंगी।

2022 में न्यू हैम्पशायर से कांग्रेस चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। 2024 में ट्रम्प के चुनाव अभियान की प्रेस सेक्रेटरी बनीं।



लेविट ने बच्चे के जन्म के 2 हफ्ते बाद सोशल मीडिया पर उसकी तस्वीर शेयर की थी।

26 साल की उम्र में व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी बनीं

कैरोलिन लेविट का जन्म 24 अगस्त 1997 को न्यू हैम्पशायर के एटकिंसन में हुआ। उनका परिवार राजनीति के बजाय छोटे कारोबार से जुड़ा था। पिता यूज्ड ट्रक का कारोबार करते थे और परिवार आइसक्रीम स्टैंड चलाता था।

लेविट ने स्कूल-कॉलेज में सॉफ्टबॉल खेला और कम्युनिकेशन व पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई की। कॉलेज के दौरान फॉक्स न्यूज में इंटर्नशिप की। इसके बाद ट्रम्प के पहले कार्यकाल में व्हाइट हाउस में काम किया और रिपब्लिकन सांसद एलिस स्टेफनिक की कम्युनिकेशन डायरेक्टर बनीं।

ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज रिपोर्टर से पूछा- आप उनकी जगह लेंगी?

लेविट के जाने के बाद अगली प्रेस सेक्रेटरी कौन होगी, इसका अभी ऐलान नहीं हुआ है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्टर एलेक्सिस मैकएडम्स ने ट्रम्प से इसी बारे में सवाल किया।

ट्रम्प ने मैकएडम्स की ओर देखकर कहा, "आप?" फिर उन्होंने पूछा, "आप उनकी जगह क्यों नहीं लेतीं?" ट्रम्प ने मैकएडम्स की तारीफ करते हुए कहा कि वह यह काम अच्छी तरह कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि वह वास्तव में उन्हें अगली प्रेस सेक्रेटरी बनाने पर विचार कर रहे हैं या यह सिर्फ मजाक था।

जनवरी 2025 में 26 साल की उम्र में व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी बनकर इस पद पर पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की व्यक्ति बनीं।

स्पेन के स्यूटा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

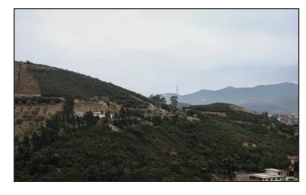
294 प्रवासी और 61 मददगार गिरफ्तार

एपी, एजेंसी

मोरक्को की सुरक्षा बलों ने जमीन और समुद्र के रास्ते स्पेन के इलाके स्यूटा पहुंचने की कोशिश कर रहे सैकड़ों प्रवासियों को गिरफ्तार किया है। यह ताजा कोशिश उस घटना के दो हफ्ते बाद हुई है, जब गरीबी और गलत जानकारी के कारण हजारों प्रवासी स्यूटा की ओर दौड़े थे।

यह इस इलाके के सबसे खतरनाक माइग्रेशन संकटों में से एक था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सीमा के दोनों ओर 90 लोगों की मौत हुई।

मोरक्को के सरकारी ब्राडकास्टर मेडी-1 टीवी ने रविवार को बताया कि शनिवार को स्यूटा में घुसने की कोशिश कर रहे सब-सहारा अफ्रीका के 294 प्रवासियों को गिरफ्तार किया गया। प्रवासियों की इस कोशिश में मदद करने के आरोप में



61 मोरक्को के नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है।

सीमा पार करने की ये कोशिशें इंटरनेट मीडिया पर उन पोस्ट के बढ़ने के बाद हुईं, जिनमें प्रवासियों से मोरक्को के उत्तरी तट पर स्थित स्पेनिश शहर स्यूटा जाने के लिए कहा गया था। इसके जवाब में, मोरक्को और स्पेन के अधिकारियों ने सुरक्षा बढ़ा दी और उस इलाके की ओर लोगों की आवाजाही को सीमित कर दिया। गृह मंत्रालय ने ताजा गिरफ्तारियों या माइग्रेशन की नई कोशिश को रोकने के लिए सीमा पर तैनात सुरक्षा कर्मियों की संख्या के बारे में कोई जवाब नहीं दिया।

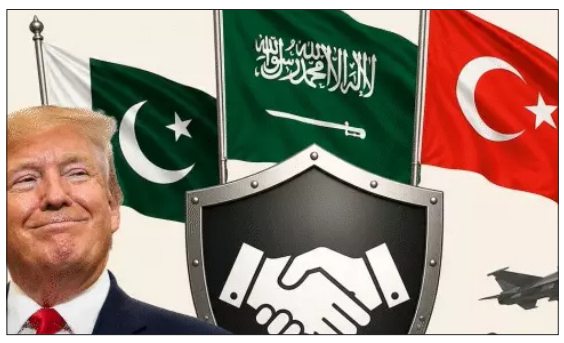
बधाई : बोले- तीनों देश मजबूती से अपनी रक्षा कर सकेंगे, एक पर हमला हुआ तो मिलकर जवाब देंगे

ट्रम्प ने पाक-सऊदी-तुर्किये के रक्षा समझौते पर खुशी जताई

- इस समझौते की सबसे बड़ी बात यह है कि पाकिस्तान, सऊदी अरब या तुर्किये में से किसी एक देश पर हमला हुआ तो इसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। यानी जिस देश पर हमला होगा, उसे बाकी दोनों देशों का साथ मिलेगा।

लन्दन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए मक्का संयुक्त



रक्षा समझौते का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस डील से तीनों देश मिलकर अपनी रक्षा ज्यादा मजबूती से कर सकेंगे।

ट्रम्प ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा, "मुझे बहुत खुशी है कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने आखिरकार मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। इससे पता चलता है कि मिडिल-ईस्ट एकजुट हो रहा है और देश अब ज्यादा मजबूती से अपनी रक्षा कर सकेंगे।" ट्रम्प ने तीनों देशों के नेताओं को बधाई देते हुए डील को "बड़ा, साहसी और अहम पहला कदम" बताया। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच सैन्य सहयोग करीब 60 साल पुराना है। दोनों देशों ने 7 अगस्त 1967 को पहला औपचारिक रक्षा सहयोग समझौता किया था। इसके तहत पाकिस्तान ने सऊदी सेना को ट्रेनिंग, तकनीकी मदद और सैन्य सलाह देने की जिम्मेदारी ली थी।



7 अगस्त को मक्का समझौते पर साइन हुए

इस समझौते पर 7 अगस्त को मक्का में हस्ताक्षर हुए थे। समझौते पर सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए।

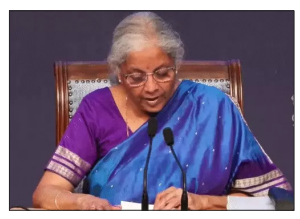
एर्दोगन ने कहा है कि आगे दूसरे देश भी इस रक्षा व्यवस्था का हिस्सा बन सकते हैं। उन्होंने खास तौर पर मिस्र के जुड़ने की संभावना बताई है।

डील का मकसद तीनों देशों के बीच सैन्य और सुरक्षा सहयोग बढ़ाना है। यानी किसी एक देश पर हमला होने पर बाकी दोनों देश उसके साथ खड़े होंगे।

बैंकिंग सुधारों के लिए जल्द बनेगी हाई-लेवल कमेटी

वित्त मंत्री ने कहा- बैंकों का एनपीए सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी



सरकार जल्द ही बैंकिंग सेक्टर में सुधारों के लिए अपनी हाई-लेवल कमेटी का ऐलान करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय PSB कॉन्क्लुएंस 2026 के पहले दिन यह घोषणा की। वित्त मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक, इस कमेटी का गठन इसी महीने किया जा सकता है। इस हाई-लेवल कमेटी को गठित करने का प्रस्ताव सबसे पहले केंद्रीय बजट 2026-27 में रखा गया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर हाई-लेवल कमेटी बनाने के प्लान का ऐलान किया था।

इसका मुख्य मकसद बैंकिंग सेक्टर को देश के आर्थिक विकास के लक्ष्यों के अनुरूप ढालना और समीक्षा करना है। हालांकि, अभी तक इस समिति का औपचारिक रूप से गठन होना बाकी है। वित्त मंत्री ने साफ किया कि यह पैनल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में बैंकों की भूमिका पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि कमेटी विकसित भारत की ओर बैंकों की भूमिका की समीक्षा करेगी। साल 2047 अब बहुत दूर नहीं है। वित्त मंत्री ने देश के बैंकिंग सेक्टर में आए सुधारों और एसेट क्वालिटी का जिक्र करते हुए नए बदलावों की जरूरत बताई। सीतारमण ने भरोसा दिया कि समिति की रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद सरकार सुझाई गई सिफारिशों को लागू करने में देरी नहीं करेगी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676